हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114056/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139300/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152059/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
ANAND Jewels Pandri, Raipur

बंगाल की खाड़ी में गहरे अवदाब के रूप में सक्रिय हुए मानसूनी सिस्टम ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात रायपुर में रिकार्डतोड़ बारिश कराई है। पिछले 48 घंटे में रायपुर में 300 मिलीमीटर यानी 30 सेंटीमीटर बारिश हुई। यह बीते दस साल में सबसे ज्यादा बारिश है। खारुन नदी के ओवरफ्लो होने की वजह से प्रतिमा विसर्जन पर रोक लगा दी गई है। कई इलाकों में पानी भर गया। रायपुर, धरसींवा, धमतरी समेत कई जगह पर प्रशासन ने रेस्क्यू किया। बाढ़ में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। रायपुर के अलावा दुर्ग में 200 मिली बारिश हुई है। प्रदेश के 63 स्टेशनों में भारी से अतिभारी वर्षा दर्ज की गई है।

हरिभूमि खास

रायपुर में 48 घंटे में रिकार्ड 30 सेमी बारिश, खारुन ओवरफ्लो, विसर्जन पर रोक, कई जिलों में बाढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रभाव से राज्य में 1 जून से 30 सितंबर तक औसत रूप में 1142 मिमी. वर्षा होती है। इस बार आंकड़ा सितंबर के अंतिम सप्ताह की शुरुआत में 1190 मिमी. तक पहुंच गया है, जो सामान्य से 6 प्रतिशत अधिक है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय सिस्टम ने तीन दिन पहले गहरे अवदाब का रूप धरा और राज्य का दक्षिण यानी समूचा बस्तर और रायपुर, दुर्ग संभाग समेत मध्य इलाके में भारी से अतिभारी रूप से बरसे। बस्तर के ▶▶शेष पेज 6 पर

वर्षा के बाद स्थिति

कम वर्षा:- सरगुजा 685.5 सामान्य से 40 फीसदी, जशपुर 863.3 औसत से 35 प्रतिशत तथा बेमेतरा 669 औसत से 35 प्रतिशत कम वर्षा

कोटे से अधिक:- बालोद 1312 सामान्य से 30, बलौदाबाजार 1125 औसत से 23, बलरामपुर 1549 सामान्य से 57, धमतरी 1297 औसत से 24, गरियाबंद 1435 सामान्य से 38, खैरागढ़-गंडई 838 औसत से 20, मुंगेली 1239 सामान्य से 33, नारायणपुर 1715 सामान्य से 41, रायपुर 1320 सामान्य से 31, सारंगढ़-बिलाईगढ़ 1178 औसत से 29 प्रतिशत अधिक। शेष 20 जिले सामान्य स्थिति में है।

दशकों बाद कुलेश्वरनाथ के गर्भगृह तक पहुंचा पानी, सैकड़ों मकानों में पानी भरा

नवापारा-राजिम। महानदी में ऐसी विकराल बाढ़ कई दशकों बाद देखने को मिली। लगातार बारिश और जलाशयों से छोड़े गए पानी के बाद राजिम में महानदी का जलस्तर इस कदर बढ़ गया है कि राजिम के ऐतिहासिक कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के गर्भगृह तक पानी पहुंच गया। मंदिर का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया। राजिम के

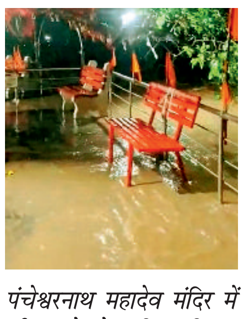

पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर में भी आधे से अधिक हिस्सा पानी में डूबा हुआ है। नवापारा शहर के ▶▶शेष पेज 6 पर

गंगरेल से अब भी छोड़ा जा रहा 51 हजार क्यूसेक पानी

धमतरी स्थित गंगरेल बांध से डहां शुक्रवार रात ढाई लाख क्यूसेक पानी प्रति सेकंड छोड़ा जा रहा था, शनिवार को बारिश थमने के बाद इसे घटाकर 51 हजार 250 क्यूसेक कर दिया गया है। लेकिन बांध से पानी छोड़े जाने की वजह से महानदी और खारून उफान पर हैं। महानदी के किनारे बसे नगर और खारुन के किनाके सैकड़ों लोगों का रेस्क्यू करना पड़ा है। वहीं नदी-नाले अब भी उफान पर हैं। जहां तक जनहानि का सवाल है तो मगरलोड ब्लाक में मेघा गांव में एक आठ साल की बच्ची नाले में बह गई। रात तक बच्ची का पता नहीं चल सका था। इसके अलावा जनहानि का समाचार नहीं है।

पुलिया में बहा युवक

तिल्दा नेवरा अंतर्गत खुड़मुड़ी आए एक युवक लौटते समय पुलिया में बह गया। बीरगांव रायपुर निवासी 24 वर्षीय युवक राहहुल पाठक अपने जीजा के पास खुड़मुड़ी आया था। वह रात में अपने दो दोस्तों के साथ लौट रहा था कि पुलिया के ऊपर पानी बह रहा था।

दो बहे, सैकड़ों राहत शिविरों में

लगातार तीन दिनों तक हुई बारिश के चलते रायपुर संभाग में सैकड़ों लोगों का रेस्क्यू करना पड़ा है। बारिश के कारण धमतरी में एक बच्ची और तिल्दा में एक युवक नाले में बह गया।

दो बालक अरपा में डूबे, एक की मौत

बिलासपुर। अरपा में बहते हुए नारियल को लाने के लिए एक बालक गहराई में चला गया, उसे बचाने के फेर में दूसरा बालक भी डूब गया। आसपास के लोगों ने नदी में छलांग लगाकर दोनों बालकों की तलाश की, किन्तु दोनों ▶▶शेष पेज 6 पर

बस्तर में सैकड़ों लोग राहत शिविर में

बस्तर संभाग में लगातार तीन दिन की बारिश के बाद इंद्रवती और मार्कंडेय नदी के किनारे के गांव बुरातरह प्रभावित हुए हैं। जहां से सैकड़ों लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। इन गांवों में दर्जनों घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालांकि ज्यादातर स्थानों पर आवागमन बहाल हो गया है। लेकिन सुकमा और कोंटा के बीच नेशनल हाईवे अब भी बाधित है।

कान्हा जा रहे पांच दोस्तों की कार बह गई

धरसींवा से 150 का रेस्क्यू, नाले में बहकर मासूम की मौत

रायपुर। बस्तर तथा रायपुर संभाग में 48 घंटे की अनवरत बारिश के कारण शहर के साथ आउटर में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। नाले में पानी के तेज बहाव में एक सात साल के मासूम की डूबने से मौत हो गई। खारुन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण धरसींवा क्षेत्र के पांच गांवों के डेढ़ सौ रहवासियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। एक अन्य प्रकरण में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के दनिया पुल से गुजर रही एक कार पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गई। कार में रायपुर तथा भिलाई के पांच युवक-युवती ▶▶शेष पेज 6 पर

प्रेमानंद के शिष्य ने की खुदकुशी चोट के निशान ने बढ़ाया सस्पेंस

एजेंसी ▶▶ मथुरा

वृंदावन के वराह घाट मार्ग पर गऊ कृपा कुंज आश्रम की छत से कूदकर संत प्रेमानंद महाराज के साधक दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारीशरण ने जान दे दी। छत से नीचे गिरने के बाद अन्य साधक उन्हें अस्पताल लेकर गए लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

■ प्राइवेट पार्ट कटा, ग्राइंडर-धोती और सीढ़ियों पर खून ही खून; कई सवाल

साधक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आश्रम पर जांच के लिए पहुंच गई। जांच के दौरान पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया। पुलिस के अनुसार, वराह घाट के पास गऊ कृपा कुंज के नाम से आश्रम हैं। यहां संत प्रेमानंद महाराज के करीब 40- 50 साधक रहते हैं। चार मंजिल के इस कुंज में रहकर साधक राधारानी की उपासना कर रहे हैं। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे आश्रम की चौथी मंजिल से एक साधक ने छलांग लगा दी। आश्रम से करीब छह फुट की दूरी पर वह सड़क पर गिरे। उनके गिरते ही अफरा-तफरी मच गई। उनकी पहचान जबलपुर के रहने वाले 25 वर्षीय दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारीशरण के रूप में हुई। आश्रम में रहने ▶▶शेष पेज 6 पर

मोबाइल से हटेगा आत्महत्या के रहस्य का पर्दा

साधक दीपक लोधी के आत्मघाती कदम की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस मोबाइल में मौत का कारण तलाशने में जुट गई है। आश्रम की चौथी मंजिल से छलांग लगाने वाले साधक की मौत और प्राइवेट पार्ट काटने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल के जरिये उस शख्स तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, जिससे आखिरी बार बात हुई थी। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि साधक की मौत के बाद पुलिस की जांच कई बिंदुओं पर होगी।

चित्रकोट का दुर्लभ नजारा

7 धाराओं का जलप्रवाह | **300 मीटर** की चौड़ी जलधारा | **90 से 98 फीट** की गहराई

जगदलपुर। बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती नदी इस समय रौद्र रूप में है। चित्रकोट जलप्रपात में 7 धाराओं का जलप्रवाह और 300 मीटर की चौड़ी जलधारा एक रूप में गर्जना करती हुई गिर रही है। घोड़े की नाल जैसी आकृति के लिए चित्रकोट जलप्रपात प्रसिद्ध है। 27 से 30 मीटर यानी 90 से 98 फीट में गिरती चित्रकोट की जलधारा 3 से 7 धाराओं में अलग-अलग समय में दिखाई पड़ती है। मानसून के दौरान इसका व्यापक रूप दिखाई पड़ता है। विशेष रूप से जुलाई से अक्टूबर तक चित्रकोट की धाराएं अद्भूत और अलौकिक रूप में होती है। अमेरिका के नियाग्रा से इसकी तुलना की जाती है। इस समय बाढ़ के कारण चित्रकोट जलप्रपात अदभूत प्राकृतिक दृश्य में दिखाई पड़ रहा है इसलिए इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ▶▶शेष पेज 6 पर

ज्ञान, विज्ञान और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम है भारतीय शिक्षा बोर्ड : सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्या आपको यूपीएससी की परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों ने इस बार हैरान किया था? क्यों? क्योंकि सवाल भारतीयता से, भारतीय संस्कृति और उसके पुरातन विविधताओं से था? अगर हां तो तय मानिये देश के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का मूलस्तर एक दशक में बदला बदला सा नजर आएगा।

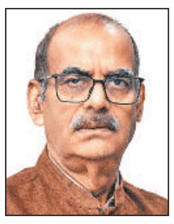

■ ज्ञान, विज्ञान और गणित के नए पाठ्यक्रम तैयार कर रहे प्रोफेसर हुकुम सिंह ने हरिभूमि से की चर्चा

हर प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के गर्वित इतिहास से सवाल होंगे। जैसे-जैसे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तेजी से लागू किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' एक सशक्त और वैकल्पिक राष्ट्रीय बोर्ड के रूप में तेजी से उभर रहा है। ज्ञान, विज्ञान और गणित के नए पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी फिजिक्स और मैथ्स के नामचीन प्रोफेसर एसी वर्मा और प्रोफेसर हुकुम सिंह को दिया गया है, जो रुचिकर ढंग से नये पाठ्यक्रम को बुन रहे हैं।बच्चों को, नौनिहालों को इसी बदली शिक्षा व्यवस्था से रूबरू कराने, उन्हें अपेक्षाकृत ज्यादा रोजगारपरक बनाने, किन्हीं वजहों से पढाई रुक गई फिर भी स्वावलंबी बनने की दिशा तय करने के लिए स्कूली शिक्षा की मजबूत नींव डालने सीबीएसई, आईसीएसई, या अन्य राजकीय शिक्षा बोर्डों से इतर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन कर समूची स्कूली शिक्षा व्यवथा को नए सिरे से गढ़ने के काम में लगे भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष, जाने-माने शिक्षाविद् तथा पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. एन.पी. सिंह ने बोर्ड के विजन, उद्देश्यों और इसकी कार्यप्रणाली पर हरिभूमि के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि देश की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बदलाव की क्यों आवश्यकता है और किस प्रकार भारतीय शिक्षा बोर्ड पारंपरिक भारतीय मूल्यों को आधुनिक शिक्षा के साथ पिरोकर एक नई दिशा दे रहा है।

3000 बोतलें जब्त 36 साल से लागू है शराबबंदी

नागालैंड में नकली शराब पीने से 19 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ मोकोकचुंग (नगालैंड)

पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड में 36 साल से लागू शराबबंदी के बीच नकली शराब से 19 लोगों की मौत होने की खबर आई है। वहीं पुलिस ने नकली शराब की 3000 बोतलें जब्त भी की हैं।

पिछले 2 दिन में 19 मौतें हुई हैं, जिसके मद्देनजर नकली शराब के नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए विशेष जांच दल का गठन कर दिया गया है। 19 में से 8 की मौत मोकोकचुंग में और 11 की मौत तुएनसांग में हुई। शराब पीने के बाद ही सभी की तबियत बिगड़ी और कुछ ने अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वेसुप्रा केजो ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आई बंगलांग चांग के नेतृत्व में विशेष जांच दल गठित किया गया है, जो 19 मौतों के कारणों का पता

लगाएगी। इसके लिए सैंपल लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस ने छापेमारी कर 19 लोगों को गिरफ्तार किया और 3000 बोतल शराब जब्त की। लोगों को अज्ञात, बिना लेबल वाली या अवैध शराब का सेवन नहीं करने की सलाह है। शराब पीने के बाद चक्कर आएं या सांस लेने में कठिनाई हो तो अस्पताल जाएं।

एशियन गेम्स में महिला-पुरुष टीमें चैंपियन

कबड्डी में भारत को दो गोल्ड, टीम में छत्तीसगढ़ की बेटी भी

एजेंसी ▶▶ नागोया

एशियाई खेलों की कबड्डी प्रतियोगिता में भारत का दबदबा बरकरार रहा, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमों ने शनिवार को खिताबी मुकाबलों में चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वी ईरान को हराकर अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया। छत्तीसगढ़ की संजू देवी भी विजयी महिला टीम का हिस्सा रहीं। पुरुष टीम ने 40-34 से जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में 37-34 से जीत दर्ज की। पुरुष टीम का यह एशियाई खेलों में नौवां और महिला टीम का चौथा स्वर्ण ▶▶शेष पेज 6 पर

■ महिला टीम ने ईरान को 37-34, पुरुष टीम ने 40-34 से हराया

■ पुरुष टीम ने लगातार 10वीं और महिला टीम ने 5वीं बार जीता मेडल

कोरबा के छोटे गांव से गोल्ड तक पहुंची संजू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

20वें एशियाई खेल में शनिवार को जापान में हुए भारत और ईरान के बीच महिला कबड्डी प्रतियोगिता में भारत ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता। यह जीत देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिए और भी खास थी, क्योंकि इस महिला कबड्डी टीम में छत्तीसगढ़ ▶▶शेष पेज 6 पर

प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात : साय

महिला कबड्डी टीम के जीत के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने टीम को बधाई दी। सीएम ने टीम की सदस्य संजू देवी से फोन पर बातचीत भी की। कहा कि उनकी इस उपलब्धि ▶▶शेष पेज 6 पर

तरकश

संजय के दीक्षित

पितृ पक्ष में...या देवी सर्व भूतेषु

पितृ पक्ष में छत्तीसगढ़ के मंत्री अगर दुर्गा सप्तशती का पाठ करने लगे, तो समझा जा सकता है, उनकी मनोदशा कैसी होगी। दरअसल, बीजेपी ने 24 घंटे के भीतर डबल सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए संगठन महामंत्री, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री को बदलते हुए प्रदेश प्रभारी भी नया पोस्ट कर दिया। वो भी स्मृति ईरानी जैसी। ऐसे में, पित्तरों की पूजा कौन करें...मंत्रीगण नवरात्रि से पहले ही...या देवी सर्व भूतेषु...का पाठ शुरू कर दिए हैं। दरअसल, ढाई साल तक बेलगाम रहे अधिकांश मंत्री अब बड़े सहमे हुए हैं...आखिर, अगला नंबर उन्हीं का आने वाला है। वो तो भला हुआ...पितृ पक्ष आ गया, वरना किसी भी दिन राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा सकता था। बहरहाल, जिस तरह से बीजेपी हाईकमान ने तेवर दिखाया है, उससे कोई आश्चर्य नहीं कि मंत्रियों में आधे-से-अधिक चेहरे बदल जाएं। अत्यधिक संभावना है, बीजेपी अब दिवाली का वेट ना करें। सियासी पंडितों भी मानते हैं...बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ को लेकर जिस तरह की गंभीरता दिखाई है, दिवाली से पहले मंत्रियों से इस्तीफा मांग लिया जाए तो हैरत नहीं। जाहिर है, मंत्रिमंडल के पुनर्गठन मेदो-से-तीन पुराने मंत्रियों को मौका मिल सकता है। लास्ट दिसंबर में बस्तर के एक सामान्य वर्ग के नेता का नाम मंत्री बनने के लिए बड़े जोर से चला था। मगर बदले राजनीतिक समीकरण में अब अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर और राजेश मूणत जैसे पूर्व मंत्रियों में से कुछ के भाग्य बदल जाए, तो ताज्जुब नहीं। अमर तो दिसंबर 2025 में ही शपथ ले लिए होते, मगर किन्हीं अदृश्य हाथों ने बस्तरिया नेता का नाम आगे बढ़ा अमर के रास्ते में दीवार खड़ा कर दिया था। ऐसा इसलिए हुआ कि उस दौर में यस मैन चाहिए था। बहरहाल, चर्चाएं ये भी है कि अगर सामूहिक इस्तीफा हुआ तो फिर डिप्टी सीएम का कंसेप्ट खतम हो जाएगा। क्योंकि, हाई कमान अब राज्यों में सिंगल पावर सेंटर पर जोर दे रहा। और अगर चार-पांच मंत्रियों के इस्तीफे लिए गए तो फिर डिप्टी सीएम कंटीन्यू करते रहेंगे। कुल मिलाकर आधे-से-अधिक मंत्री दिवाली ठीक से मना पाएंगे...इस पर संशय है।

सवाल करोड़ों का

बीजेपी के संगठन में स्ट्राइक के बाद जाहिर है, सूबे में मंत्रियों की पूछपरख प्रभावित होगी! क्योंकि, भाजपा हाईकमान के रुख देखकर लोग अब मान बैठे हैं कि मंत्रिमंडल में सर्जरी अब किसी भी वक्त हो सकता है। यही वजह है खासकर ठेकेदार, सप्लायर अब थोड़ा डिस्टेंस मेंटेन करने लगे हैं। आज ही एक ठेकेदार को एक मिनिस्टर से मिलना था, बताते हैं, उसने बेंगलुरु जाने का बहाना बनाकर आगे का टाईम मांग लिया। उधर, दिवाली से पहले मंत्रिमंडल में सर्जरी हो गई तो सरकारी मुलाजिमों के करोड़ों रुपए डूब जाएंगे। क्योंकि, आजकल हंड्रेड परसेंट एडवांस का जमाना चल रहा, और मनचाही पोस्टिंग के लिए बड़ी संख्या में पेमेंट हो चुके है। असल में, मंत्रिमंडल में सर्जरी के साथ व्यापक तौर पर विभाग भी बदलेंगे। अब स्मृति ईरानी और कर्मवीर सिंह मिलकर विभाग तय करेंगे और दिल्ली उस पर मुहर लगाएगा। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि मलाईदार विभाग वाले मंत्रियों के पास छोटे विभाग आ जाए और काबिल मंत्रियों के पास बड़े विभाग। तो कामों के लिए जो करोड़ों रुपए एडवांस हैं, वे तो डूबेंगे ही।

मोदी की च्वाइस?

2023 के विधानसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में नौ सभाएं की थी...एक तरह से उन्होंने छत्तीसगढ़ को मथ दिया था। तब जाकर बीजेपी की सरकार बन पाई। वरना, बीजेपी नेता भूपेश बघेल के सामने इलेक्शन से पहले ही बैकफुट पर आ गए थे। खैर, पिछले ढाई बरसों से केंद्रीय खुफिया एजेंसियां जिस तरह से लगातार रिपोर्टिंग कर रही थी, पीएमओ यहां की स्थितियों से नावाकिफ नहीं था। उधर, पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन के पास सारे मंत्रियों की रिपोर्ट्स पहुंच ही रहे थे। दिल्ली के सूत्र बताते हैं कि स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाने में पीएम मोदी की हरी झंडी रही। छत्तीसगढ़ पीएम मोदी की प्रायरिटी में तो है ही, जेन जी आंदोलन के बाद मोदी अधिकांश चीजों को अब खुद वॉच कर रहे हैं। अहम मामलों की बैठकें अब वे स्वयं ले रहे। कुछ रोज पहले हुई मीटिंग में अधिकारी प्रोजेक्टर पर जब हर पेज में मोदी की फोटो और उनका गुणगान दिखा रहे थे, तो उन्होंने टोक दिया...फोटो-होर्डिंग्स पर ज्यादा फोकस मत कीजिए, जनता इसे पसंद नहीं करती...जनता को काम चाहिए। कुल मिलाकर लब्बोलुआब यह है कि मोदी की च्वाइस से अगर स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ आई है तो फिर वे क्या करेंगी, समझा जा सकता है।

रोचक मुकाबला

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 2001 से 2003 तक की राजनीति बड़ी दिलचस्प थी। मुख्यमंत्री अजीत जोगी और विद्याचरण शुक्ल सरीखे राजनीतिक योद्धा तो थे ही, तो मूंछो पर ताव देने और शेरो-शायरी से महफिल लूटने वाले दिलीप सिंह जूदेव भी रहे। लिहाजा, मीडिया को ब्रेकिंग और फ्रंट पेज की लीड की चिंता नहीं रहती थी। मगर उसके बाद के बरसों में सूबे में वैसी राजनीतिक गरमाहट रही नहीं। रमन सिंह 15 साल सीएम रहे, मगर विपक्ष खतम जैसा रहा। भूपेश बघेल जब मुख्यमंत्री बने तो रमन सिंह के अलावा बीजेपी के सारे पूर्व मंत्री, नेता शुतुरमुर्ग जैसी स्थिति में पहुंच गए थे...और आज जब भूपेश पूर्व हो गए हैं तब भी स्थिति ज्यादा बदली नहीं है। मगर अब स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी बनने से ऐसा प्रतीत होता है कि अब मुकाबला दिलचस्प और बराबरी का रहेगा। इधर स्मृति, उधर भूपेश। किसी भी मसले पर बोलने और प्रहार करने में दोनों का कोई जोर नहीं। स्मृति ईरानी तो वैसे भी प्रखर वक्ता हैं। उनकी जब नियुक्ति हुई तो भूपेश बघेल का बयान आया था, वो घायल शेरनी...। हालांकि, बीजेपी वालों का कहना है...घायल शेरनी ज्यादा आक्रमक हो जाती है। बहरहाल, ये तो तय है...मीडिया को अब राजनीतिक खबरें खुब मिलेंगी।

24 घंटे में परसेप्शन बदला

बीजेपी नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ में ऐसा सर्जिकल स्ट्राइक किया कि 24 घंटे में परसेप्शन की रेटिंग अचानक लो से हाई हो गई। उससे पहले खुद बीजेपी के लोग मान रहे थे कि 2028 का विधानसभा चुनाव आसान नहीं होगा। मगर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को प्रदेश प्रभारी बनाने के बाद परसेप्शन में हैरान करने वाला चेंज आया है। आम आदमी भी अब मान रहा कि बीजेपी जिस मोड में आई है, उससे काफी चीजें बदलेंगी और ओपोजिशन के लिए अब एकतरफा जैसे परसेप्शन नहीं रहेंगे।

आईएएस की एक लिस्ट

प्रशासनिक गलियारों में आईएएस अधिकारियों की एक छोटी लिस्ट निकलने की चर्चाएं बड़ी तेज हैं। हालांकि, कहां-कहां, किस-किस जगहों पर बदलाव होगा...लिस्ट में कितने अफसर शामिल होंगे, ये अंदर की बात है। मगर सब कुछ ठीक रहा तो एक लिस्ट अवश्य आ सकती है।

कलेक्टर, एसपी से हारा हाईकोर्ट?

यूपी के बलरामपुर में डीजे की तेज आवाज से स्कूल में एक सात साल की बच्ची का मौत हो गई तो छत्तीसगढ़ में...अंबिकापुर में डीजे की तेज आवाज से अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता की तबियत इतनी बिगड़ गई कि डॉक्टरों को उसका बीपी नार्मल करने में चार-पांच घंटे लग गए। छत्तीसगढ़ में इससे पहले डीजे से हर्ट अटैक की घटनाएं भी हो चुकी हैं। बिलासपुर हाई कोर्ट में करीब पांच-सात साल से केस चल रहा है। हाई कोर्ट ने 2022 में दो टूक कह दिया था कि डीजे अगर बजा तो जिले के कलेक्टर, एसपी जिम्मेदार होंगे। कोर्ट ने तत्कालीन चीफ सिकेट्री अमिताभ जैन से इस पर हलफनामा भी मांगा था। मगर बात आई-गई, चली गई। कोर्ट में जब भी पेशी का वक्त आता है, गृह विभाग खानापूर्ति के लिए रिव्यू बैठक करता है और कोर्ट में बताता है...सरकार जल्द ही कोलाहल कंट्रोल अधिनियम लाने जा रही है। मगर चार साल से अधिक वक्त गुजर गया, कोलाहल अधिनियम किधर है, किसी को पता नहीं। कलेक्टर, एसपी को अपनी कुर्सी सुरक्षित रखनी है, इसलिए किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए, या फिर मौत...इससे उन्हें क्या वास्ता। उधर, पिछली सरकार में एक मंत्री जी को डीजे वालों की रोजी रोटी की चिंता सताती थी, तो इस सरकार में एक मंत्री जी ने बयान दिया...बिना डीजे का गणेश विसर्जन कैसे होगा? अब जब सिस्टम ही नहीं चाहता कि डीजे बंद हो तो हाई कोर्ट क्या कर सकता है।

मंत्री जी, गरीबों को कैंसर क्यों?

एक समय था, जब कैंसर जैसी घातक बीमारी मीडिल या अपर मीडिल क्लास वालों को ज्यादा होती थी। मगर छत्तीसगढ़ के कैंसर अस्पतालों के ओपीडी और वार्डों का सीन देखेंगे तो आप हिल जाएंगे। उसके बाद आपको समझ में आएगा कि रायपुर जैसी बी क्लास की सिटी में महीने भर के भीतर दो-दो कारपोरेट कैंसर अस्पताल कैसे खुल गए। बता दें, रायपुर में एक दशक पहले तक कैंसर का एक भी प्रायवेट हॉस्पिटल नहीं था, इस समय छह अस्पताल सिर्फ कैंसर के हैं। इस स्तंभकार को रायपुर के एक जाने-माने अंकोलॉजिस्ट ने बताया, वो चौंकाने वाला था...छत्तीसगढ़ में 85 परसेंट से अधिक कैंसर गरीबों को हो रहे। उसमें भी आधे से अधिक मुंह, गले या फेफड़े का कैंसर। इसकी वजह है, पाउच-गुटखा बनाने वाली कंपनियां धड़ल्ले से उसमें जहरीला मैगनेशियम कार्बोनेट मिला रही। मैगनेशियम कार्बोनेट इसलिए मिलाया जाता है कि गुटखा की लाइफ बढ़े, आपस में चिपके मत और गले में ठंडक महसूस हो। अब इसमें आगे की खबर यह है कि इन गुटखा कंपनियां की जांच और सेंपल लेने का काम जिस ड्रग विभाग के पास है, पिछले तीन साल से किसी का भी सेंपल नहीं लिया है। ड्रग विभाग के पास सेंपल लेने वाले 63 अधिकारियों का अमला है, मगर उन्हें सख्त हिदायत है कि गुटखा कंपनियों तरफ झांकना नहीं है। पिछले तरकश में इसका जिक्र करने पर पता चला है, दो दिन पहले एकाध छोटी कंपनियों पर दबिश दी गई है। बहरहाल, हेल्थ मिनिस्टर और हेल्थ सिकेट्री को इसकी जांच करानी चाहिए कि गरीबों को ही कैंसर क्यों? और फिर ड्रूरग विभाग भी इन्हीं के अंदर आता है। अगर पान मसालों पर जहरीला पदार्थ मिलाने से मंत्री और सिकेट्री रोक देंगे तो छत्तीसगढ़ की गरीब जनता का उन्हें बड़ा पुण्य मिलेगा।

घाटे का फेडरेशन

लघु वनोपज संघ कभी साल का 500 करोड़ से अधिक नफे में रहता था। इलेक्शन के दौरान आदिवासी इलाकों में चरण पादुका से लेकर साड़ी, कंबल आदि चीजें ऑफिसियल बांटे जाते थे, इस नाम पर कि जंगलों में वास करने वालों को सहूलियतें मुहैया कराई जा सकें। मगर वोट बैंक की राजनीति का नतीजा यह हुआ कि पिछले एक दशक में सरकार का अर्निंग वाला लघु वनोपज संघ अब घाटे में आ गया है। सरकार को पैसे देने वाले इस संघ को उल्टे 200 करोड़ देने पड़े हैं। ये स्थिति इसलिए आई कि तेंदूपत्ता संग्रहण का रेट 4 हजार से बढ़ते-बढ़ते 5500 प्रति बोरे तक पहुंच गया। जबकि, वह बिकता काफी कम में है। जानकारों का कहना है, करीब 50 परसेंट से अधिक तेंदूपत्ते की क्वालिटी इतनी खराब होती है कि पांच सौ-छह सौ में बिकता है। यानी 5500 रुपए पेंमेंट कर 600 में बेचना, तो ये करोड़ों रुपए मुनाफे वाले फेडरेशन को घाटे में आना ही था।

ठाकुर लॉबी

ऐसी चर्चा है कि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के लिए सौदान सिंह का नाम भी चला था। मगर वो हुआ नहीं। ऐसा भी हो सकता है, वे दोबारा छत्तीसगढ़ आना नहीं चाहते होंगे। इसलिए शिवप्रकाश को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी दी गई। अलबत्ता, संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह छत्तीसगढ़ आ रहे, वे यूपी के ठाकुर हैं। कर्मवीर सिंह भले ही जात-पात में विश्वास नहीं रहते होंगे, मगर उनके नाम से बीजेपी की ठाकुर लॉबी गदगद है।

पीएससी फेल आईएएस पर भारी

पिछले तरकश में सिस्टम में प्रायवेट कंसलटेंट की दखलंदाजी का जिक्र किया गया था। उसके बाद कई आईएएस लोगों को बता रहे...ये चार-पांच लाख वेतन पाने वाला बंदा नहीं होता तो प्रोजेक्ट का काम नहीं होता। दिलचस्प यह है कि उनमें से जो कोट-टाई बांध कर कंसलटेंट बने घूम रहे, वे यूपीएससी तो छोड़ि़ये, पीएससी नहीं निकाल सके। मगर अफसरों को कुतर्क कर कंसलटेंसी से काम कराना है तो क्या ही कहा जा सकता है। अब ये नौकरशाह कंसलटेंट की हिमायत क्यों कर रहे, उसके पीछे भी मजेदार खेल है। कंसलटेंट कंपनियां जिनकी तनख्वाह चार-से-पांच लाख रुपए बताती है, उसमें से मुश्किल से उन्हें एकाध लाख मिलता है, बाकी पैसा कैश में कंपनियों को वापिस हो जाता है। फिर कितने अधिकारी और कर्मचारी काम कर रहे, उनकी संख्या में भी बड़ा गोलमाल होता है। इस कंसलटेंसी के खेल में अफसरों को मोटी रकम एकमुश्त मिल जाती है। बिना किसी जोखिम के। हालांकि, हाउसिंग बोर्ड के एमडी अवनीश शरण ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्लेसमेंट एजेंसी को निरस्त कर दिया, उसकी सिक्यूरिटी मनी भी जब्त कर ली। जांच में पता चला कि प्लेसमेंट एजेंसी मुलाजिमों को पूरे पैसे नहीं दे रही थी। और जो जमा राशि थी, उसे भी लटका रखी थी। चीफ सिकेट्री को कंसलटेंट की उपयोगिता पर एक रिव्यू करना चाहिए, क्योंकि जो काम सरकारी सिस्टम में बैठे लोग कर सकते हैं, उसके लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाया जा रहा। जो काम 50 से 75 हजार के आदमी से कराया जा सकता, उसके लिए चार-चार, पांच-पांच लाख फेंके जा रहे। और इनमें से अधिकांश बड़े अफसरों के नाते-रिश्तेदार होते हैं। कोई भी विभाग इस खेल से अछूता नहीं है।

हफ्ते का कोट

'सफलता वह नहीं है...जब दुनिया आपकी प्रशंसा करें। सफलता तब है...जब वर्षों के संघर्ष के बाद भी, आपके भीतर का मनुष्य जीवित रहे, क्योंकि शिखर तक पहुंचना कठिन है, पर वहां पहुंचकर स्वयं को बचाए रखना, उससे भी कठिन।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या स्मृति ईरानी और कर्मवीर सिंह के आने के बाद मंत्रियों द्वारा डंके की चोट पर पोस्टिंग के लिए बोली लगाई जाती है, उस पर रोक लगेगी?

2. पार्टी को चंदा देने की आड़ में किन-किन मंत्रियों ने मंत्री पद की गरिमा को ताक पर रख आरगेनाइज लूट मचा दी है?

महाराजा अग्रसेन जयंती पर शासकीय अवकाश के लिए मुख्यमंत्री का आभार

रायपुर। महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय अवकाश घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के समक्ष युवाओं को समाजसेवा एवं सामाजिक दायित्वों से अधिक से अधिक जोड़ने के विषय पर अपने विचार रखे।

चर्चा में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि नई पीढ़ी को महाराजा अग्रसेन जी के समानता, सहयोग, सेवा, समरसता और लोककल्याण के सिद्धांतों से परिचित कराते हुए उन्हें समाज निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, रामअवतार अग्रवाल, महेश अग्रवाल, कर्त्तव्य अग्रवाल, दीपक अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले रामविचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने आज नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से सौजन्य भेंट की। श्री नेताम ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोक जीवन का प्रतीक पारंपरिक पटका भेंट कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया। भेंट के दौरान छत्तीसगढ़ से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

राजनांदगांव कलेक्टर का 48 साल पुराना आदेश हाईकोर्ट ने किया निरस्त

बिलासपुर। जमीन के मालिकाना हक से जुड़े विवाद में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राजनांदगांव कलेक्टर के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 57(2) के तहत पेश आवेदन पर सुनवाई करने से इनकार किया गया था।

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने कलेक्टर को निर्देश दिया है कि सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका देने के बाद आवेदन का 60 दिनों के भीतर कानून के अनुसार निपटारा करें।राजनांदगांव के बांसपाईपारा निवासी बसंत लाल की मौत के बाद उनकी कानूनी वारिस शशि बाला लाल, शिशिर लाल और कीर्ति लाल तथा शिरीष लाल ने याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने कलेक्टर के 13 जून 2022 के आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि 3 नवंबर 1978 को उनके खिलाफ एकतरफा आदेश पारित किया गया था। इस कार्रवाई से पहले उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया और न ही सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गई। बाद में सीनियर राजस्व अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने राज्य शासन और निजी पक्ष के बीच जमीन के स्वामित्व से जुड़े विवाद के निराकरण के लिए धारा 57(2) के तहत कलेक्टर के सामने आवेदन पेश किया।

कलेक्टर ने 13 जून 2022 को आवेदन पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट ने मामले को सुनने के बाद कलेक्टर के आदेश को गलत माना और उसे निरस्त कर दिया।

राजधानी में तीन हजार से ज्यादा सरकारी बिजली कनेक्शन, सिर्फ जिला पंचायत ने कराया प्रीपेड

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सरकारी विभागों की अपने बिजली कनेक्शनों को प्रीपेड करने में रुचि ही नहीं दिख रही है। राजधानी रायपुर में ही तीन हजार से ज्यादा सरकारी कनेक्शन हैं, इनमें से महज एक जिला पंचायत ने ही प्री-एडवांस देकर अपना कनेक्शन प्रीपेड कराया है। बाकी विभाग प्री-एडवांस ही नहीं दे रहे हैं। ऐसी ही स्थिति प्रदेश के ज्यादातर जिलों की है। अब तक करीब एक दर्जन जिलों के गिनती के विभागों ने ही प्री-एडवांस जमा कराया है। वैसे प्रदेशभर में पॉवर कंपनी सरकारी कनेक्शन कट करने का भी काम कर रही है। रायपुर में भी तीन दर्जन से ज्यादा कनेक्शन कट किए गए। कई विभाग अपना बकाया भी जमा कर रहे हैं।

सरकारी विभागों का बकाया पॉवर कंपनी के लिए हमेशा से सिरदर्द रहा है। ऐसे में स्मार्ट मीटर योजना के बाद अब सरकारी विभागों के कनेक्शनों को प्रीपेड करने का प्रयास इस साल मार्च से प्रारंभ किया। इसमें अब जाकर बड़ी मुश्किल से थोड़ी-सी सफलता मिली है। प्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा सरकारी कनेक्शनों को प्रीपेड करने की योजना है, लेकिन इसमें महज करीब 8 प्रतिशत कनेक्शन ही प्रीपेड हो सके हैं।

जिस सरकारी विभागों ने पॉवर कंपनी को प्री-एडवांस दिया है, उसमें प्रदेश स्तर के क्रेडा और विधि-विधायी विभाग ने अपने प्रदेशभर के कनेक्शनों के लिए प्री-एडवांस दिया है। इसके अलावा एक भी सरकारी विभाग ने अपने प्रदेशभर के कनेक्शन्स के लिए एडवांस नहीं दिया है। पॉवर कंपनी ने जिलों के हिसाब से सरकारी विभागों के ग्रुप बनाकर उनको कोड दिया है। ऐसे में कुछ जिलों ने अपने जिले के सरकारी विभागों का प्री-एडवांस देना प्रारंभ किया है। वैसे ये विभाग भी गिनती के ही हैं। परिवहन विभाग में बिलासपुर, मुंगेली, महासमुंद, मरवाही, बलौदाबाजार, बालोद, दंतेवाड़ा जिलों ने प्री-एडवांस दिया है। इसी तरह से पशुपालन विभाग का एकमात्र बलौदाबाजार जिले ने ही पैसा दिया है। लोक निर्माण विभाग में कांकेर और दुर्ग शामिल हैं। जिला पंचायतों में रायपुर जिला पंचायत सहित खैरागढ़, दुर्ग, बलौदाबाजार, बालोद, रायगढ़, मुंगेली और सूरजपुर शामिल हैं। इसी तरह से जनपद पंचायतों में दुर्ग, बलौदाबाजार, बालोद शामिल हैं।

प्रदेशभर के सरकारी विभागों पर इस समय जो साढ़े तीन हजार करोड़ का बकाया है, उसमें सबसे ज्यादा नगरीय निकाय विभाग पर 16 सौ करोड़ का बकाया है। इसके बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 900 करोड़ का बकाया है।

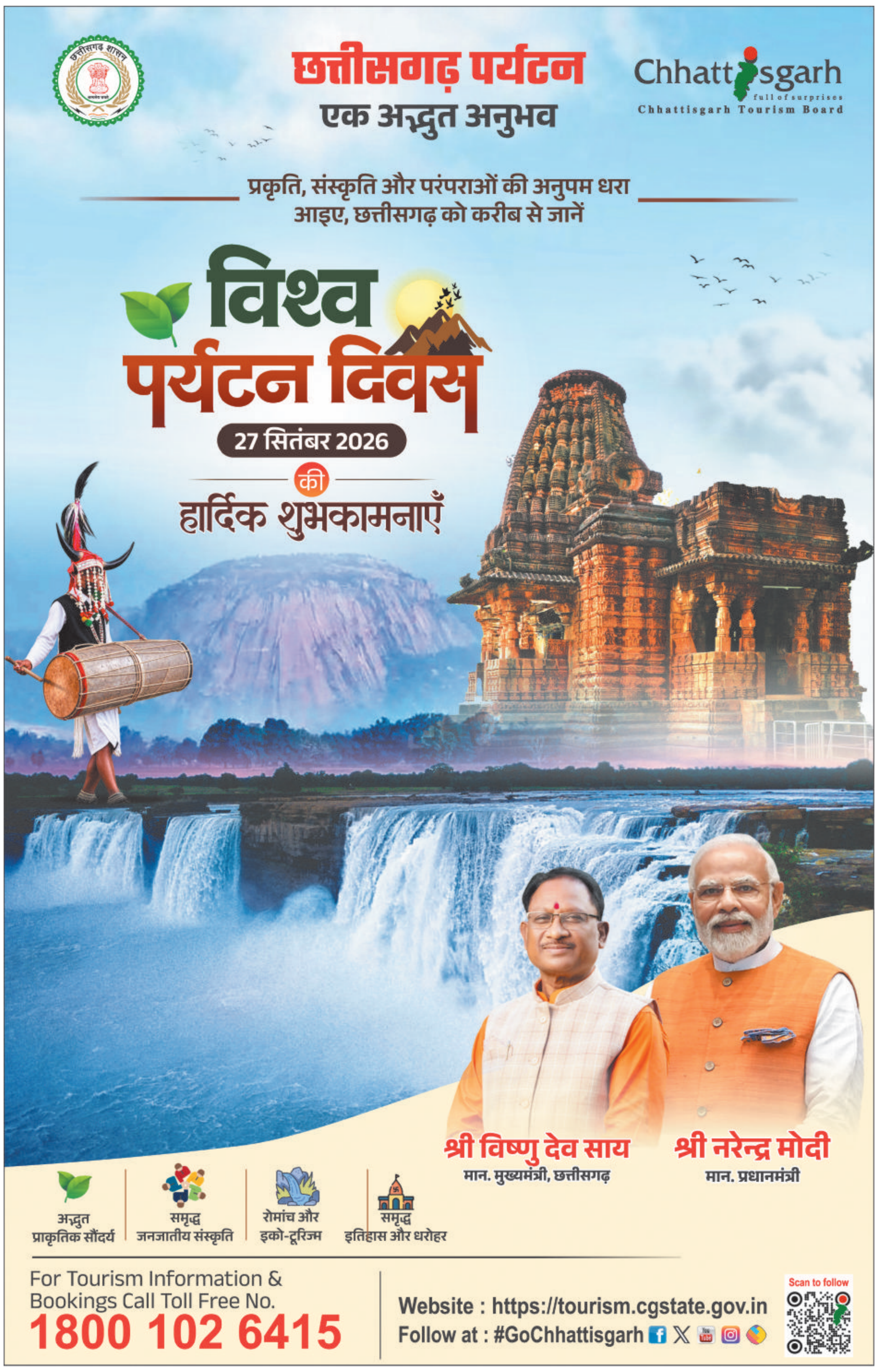

बिलासपुर
रविवार 27 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 26, अंक : 187
पृष्ठ : 10+6=16 मूल्य : 5 .00***
मौसम
अधि. 28.3
न्यून. 22.7

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

गरीबों की उम्मीदों पर फिरा पानी, 400 करोड़ रुपए के दो अस्पताल निजी हाथों में जाना तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खास खबर

गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर और किफायती इलाज उपलब्ध कराने की उम्मीद से तैयार किए जा रहे कोनी स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और राज्य कैंसर अस्पताल जल्द ही निजी हाथों में सौंपे जाने की तैयारी एक कदम आगे बढ़ चुकी है।

दोनों अस्पतालों के लिए टेंडर तैयार किए जा रहे हैं। इससे यह तो तय हो गया है कि सरकार की इच्छा शक्ति इन अस्पतालों को चलाने की नहीं है।करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे दोनों अस्पतालों में केंद्र और राज्य सरकार का पैसा लगा है। अब निजी हाथों में जाने से किडनी, लीवर, हार्ट और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बड़ी रकम चुकानी पड़ सकती है। ऐसे में सरकारी स्तर पर मुफ्त ▶▶|शेष पेज 6 पर

अस्पतालों के लिए चल रही टेंडर की प्रक्रिया

125 करोड़ तक पहुंची कैंसर अस्पताल की लागत

निजी अस्पतालों में कैंसर का इलाज महंगा होने के कारण मरीजों को अपनी गाढ़ी कमाई खर्च करनी पड़ती है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा कोनी में राज्य का इकलौता कैंसर अस्पताल बनाया जा रहा है। अस्पताल का निर्माण करीब 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। अब यहां करोड़ों रुपए के चिकित्सा उपकरण और मशीनें लगाई जानी हैं। इसके बाद एक ही छत के नीचे कीमोथेरेपी, रेडिएशन, कैंसर सर्जरी और विभिन्न जांच की सुविधाएं उपलब्ध हो ▶▶|शेष पेज 6 पर

200 करोड़ से बना सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

कुमार साहब स्व. दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 220 बिस्तरों की व्यवस्था है। इनमें 50 बिस्तरों का अत्याधुनिक आईसीसीयू और 50 वेंटिलेटर शामिल हैं। अस्पताल में आठ मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, सीटी स्कैन, एमआरआई, कलर डॉप्लर, सोनोग्राफी, ट्रेडमिल और इको जैसी सुविधाएं हैं। करीब 90 करोड़ रुपए की चिकित्सा मशीनें लगाई गई हैं। पांच डायलिसिस यूनिट और किडनी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली लिथोट्रिप्सी मशीन भी उपलब्ध है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कल्कि पीठाधीश्वर प्रमोद को धमकी

संभल। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को दावा किया कि खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा के सरगना कुलवीर सिंह सिद्धू ने उन्हें आडियो संदेश भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। कृष्णम ने कहा कि उन्हें कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन आ रहा था, जो उन्होंने नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि दो-तीन दिन पहले उन्हें पंजाबी भाषा में एक ऑडियो संदेश मिला।

अनियंत्रित कार पलटी, 3 की मौत

आगरा। आगरा में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर शनिवार सुबह एक बेकाबू कार के पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गयी एवं दो अन्य घायल हो गये। मृतकों की पहचान जयप्रकाश (32), भूपेंद्र (35) और कपिल (31) के रूप हुई है। घायलों की पहचान कार यशवंत (33) और चंद्रकांत (35) के रूप में हुई है। सुबह करीब साढ़े सात बजे ये लोग दिल्ली से बलिया जा रहे थे, तभी यहां डौकी थानाक्षेत्र में एक्सप्रेस वे उनकी कार अनियंत्रित होकर पर पलट गई। अहमद ने कहा कि ये सभी दिल्ली के रहने वाले थे और किसी काम से बलिया जा रहे थे।

128 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त

कोरापुट। ओडिशा पुलिस ने कोरापुट में एक मालवाहक वाहन से 128.3 किलोग्राम गांजा जब्त कर इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह गांजा आंध्र प्रदेश ले जाया जा रहा था। पुलिस के एक दल ने एक गुप्त सूचना के आधार पर सुनकी घाटी में तांगिनी छक के पास एक वाहन को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को वाहन के भीतर एक गुप्त खांचा मिला, जिसमें रखे कई पैकेट से गांजा बरामद किया गया।

आयोग ने कहा- सर्वसम्मति से लिए गए एसआईआर के सभी फैसले

एसआईआर में नाम कटा तो घर-घर जाकर दस्तावेज जुटाएंगे अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की बैठक हुई है। इसी बीच, चुनाव आयोग ने कई मुद्दों पर अपना पक्ष साफ किया है और एसआईआर को लेकर कई फैसले भी लिए हैं। एसआईआर के दौरान नोटिस पाने वाले दिल्ली के 33 लाख मतदाताओं को बड़ी राहत मिली है। बीएलओ अब घर-घर जाकर दस्तावेज जुटाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी आदेश तीनों निर्वाचन आयुक्तों की मंजूरी के बाद जारी किए गए थे और मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फॉर्म-6 में किए गए बदलावों को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा है। दो निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बीच मतभेदों को लेकर विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि दो आयुक्तों -सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी- द्वारा कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र आयोग या उसके आईटी डिवीजन के किसी नीतिगत मामले से संबंधित नहीं थे, बल्कि आयोग ▶▶|शेष पेज 6 पर

गोवा के 97 मतदाताओं का मामला क्या है?

गोवा में एसआईआर के दौरान छूटे 97 मतदाताओं को लेकर भी चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट की है। आयोग ने बताया कि गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों यानी बीएलओ को इन मतदाताओं के घर-घर जाकर उनके फॉर्म लेने का निर्देश दिया है। 97 में से 81 मतदाता पहले ही फॉर्म-6 भर चुके हैं, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। इसका मतलब है कि एसआईआर के दौरान नाम छूट जाने के बाद भी मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का रास्ता खुला है।

सभी बैठकों का एजेंडा पहले ही किया जाएगा प्रसारित

आयोग की बैठक में तय किया गया है कि सभी बैठकों के लिए एजेंडा पहले से प्रसारित किया जाएगा और बैठकों की कार्रवाई के मिनट्स जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, सभी अधिकारियों की वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट हर वर्ष निर्धारित समयसीमा यानी 31 दिसंबर तक पूरी की जाएगी। अधिकारियों की विदेश यात्राओं के लिए आयोग की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। आयोग ने यह भी कहा कि आयोग के आयुक्तों की ओर से अधिकारियों को जारी सभी निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

29 को कांग्रेस कार्यसमिति, 30 को बनेगी साझा रणनीति

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के बीच बढ़ते समन्वय के बीच कांग्रेस ने 29 सितंबर को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। इसके अगले दिन 30 सितंबर को विपक्षी गठबंधन की बैठक प्रस्तावित है। ऐसे में अगले कुछ दिन विपक्षी राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

29 सितंबर को होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पार्टी चुनाव आयोग से जुड़े विवाद, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आगे की रणनीति पर विचार करेगी। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की इस बैठक के बाद ही विपक्षी गठबंधन की बैठक में पार्टी का रुख स्पष्ट रूप से सामने आने की संभावना है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे। इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। चुनाव आयोग के मुद्दे के अलावा आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और संगठन से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

हाईकोर्ट में सजा पर सुनवाई 12 अक्टूबर को

अवैध गर्भपात मामले में दो डॉक्टर, महिला दोषी

हरिभूमि न्यूज : बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अवैध गर्भपात से जुड़े वर्ष 2011 के मामले में कटघोरा के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा आरोपियों को बरी करने के फैसले को आंशिक रूप से पलट दिया है। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट, 1971 की धारा 5 और आईपीसी की धारा 315 के तहत आरोपियों को बरी करने का फैसला निरस्त करते हुए अभियोजन को इन धाराओं के तहत आरोप साबित करने योग्य माना। पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट की धारा 22(3) के तहत बरी किए जाने के फैसले को बरकरार रखा है। प्रकरण के मुताबिक 5 अगस्त 2011 को ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, ▶▶|शेष पेज 6 पर

18 गवाहों से पूछताछ और 27 दस्तावेज भी पेश

मामले में राज्य की ओर से तर्क दिया गया कि डॉ. दिनेश चौहान, डॉ. पी.आर. कुंभकार, डॉ. भुनेश्वर सिंह कंवर, डॉ. एच.डी. डाहिरे और डॉ. अशोक मखीजा के बयानों से अवैध गर्भपात, दवाओं तथा उपकरणों के इस्तेमाल संबंधी तथ्य साबित होते हैं। 18 गवाहों से पूछताछ और 27 दस्तावेज भी पेश किए गए। जबकि बचाव पक्ष ने छह दस्तावेज पेश किए तथा डॉ. मिथिलेश प्रसाद ने बचाव साक्षी के रूप में बयान दिया। हाईकोर्ट ने पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों पर विचार करते हुए कहा कि यह कानून प्रसवपूर्व निदान तकनीक के दुरुपयोग और भ्रूण के लिंग चयन को ▶▶| शेष पेज 6 पर

पूरा न्याय मिलने तक हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे: राहुल

जब तक झीरम के शहीदों और पीड़ित परिवारों को संपूर्ण न्याय नहीं मिलता, लड़ाई जारी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी हत्याकांड के फैसले और भविष्य की कानूनी रणनीति पर प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और पीड़ित परिवारों के साथ बैठक की। एक घंटे तक चली बैठक में एनआईए की जांच और अदालत के फैसले के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रदेश के नेताओं ने राहुल के समक्ष झीरम मामले से जुड़े तथ्य सामने रखे और कानूनी राय व सहयोग मांगा। कांग्रेस ने झीरम कांड में केवल 10 आरोपियों को मृत्यु दंड को आधा-अधूरा न्याय बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि बैठक में पीड़ितों और उनके स्वजनों ने राहुल गांधी को पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से न्याय नहीं मिला है, इसलिए आगे की कानूनी लड़ाई के ▶▶|शेष पेज 6 पर

बड़े आरोपी अब भी फरार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने बैठक को अत्यंत सार्थक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट से सजा केवल उन 10 छोटे स्तर के लोगों को मिली है, जबकि बड़े नाम वाले आरोपी अब भी फरार हैं। उन्होंने कहा, मामले में राहुल गांधी ने कानूनी सहयोग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

ये रहे शामिल

इसी पूरे विषय और न्याय की लड़ाई की आगामी रणनीति को लेकर छत्तीसगढ़ प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, पूर्व एआईसीसी सचिव राजेश तिवारी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित एवं शहीद परिवारों की ओर से विधायक उमेश पटेल, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, छविंद्र कर्मा एवं जितेंद्र मुदलियार, सत्तार अली, शिव सिंह ठाकुर, चंद्रभान झाड़ी एवं विधिक सलाहकार सुदीप श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

रणजी ट्रॉफी: छत्तीसगढ़ की नई टीम तैयार, अनुज संभालेंगे कप्तानी

19 सदस्यीय टीम में रायपुर के 5 खिलाड़ी, 3 प्रोफेशनल क्रिकेटर शामिल

रायपुर। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ की सीनियर पुरुष टीम घोषित कर दी गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की चयन समिति की बैठक में पहले चार मुकाबलों के लिए 19 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। टीम की कमान रायपुर के अनुज तिवारी को सौंपी गई है। टीम में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के खिलाड़ियों के साथ तीन प्रोफेशनल क्रिकेटरों को भी शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ की टीम रणजी ट्रॉफी के ग्रुप-बी में अपना अभियान शुरू करेगी। पहला मुकाबला 11 से 14 अक्टूबर तक राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम 18 से 21 अक्टूबर तक चंडीगढ़ में पंजाब से भिड़ेगी। तीसरा मैच 26 से 29 अक्टूबर तक रायपुर में आंध्र के खिलाफ और चौथा मुकाबला 2 से 5 नवंबर तक रायपुर में हैदराबाद के खिलाफ खेला जाएगा।

रायपुर से सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी

19 सदस्यीय टीम में रायपुर के पांच खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें कप्तान अनुज तिवारी के अलावा आयुष पांडे, मोहम्मद सोहेल, प्रतीक यादव और संधिया हुरकट शामिल हैं। इसके बाद राजनांदगांव और बीएसपी से दो-दो, सुरगुजा से दो, भिलाई से दो और बस्तर से दो खिलाड़ी टीम में हैं। बिलासपुर से एक खिलाड़ी शामिल है। टीम में तीन प्रोफेशनल खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें धर्मेंद्र सिंह जडेजा, जयंत यादव और संदीप एस. वारियर शामिल हैं। टीम सूची में मयंक वर्मा और राहुल प्रधान दो विकेटकीपर के रूप में शामिल किए गए हैं।

मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंढे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार

विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ स्तंभकार

मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है।

विडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।

कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोका जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपराणयता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। वक्त पर गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

कई देशों में कड़े कानून

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करे। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत

व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

देशभर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी।स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए।इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल दंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वेंडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत

मंथन

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में जन्मे मुंडे ने बिना कोचिंग के 2004 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 20 हासिल की और 2005 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आईएएस बने। करीब इक्कीस साल की सेवा में उनके पच्चीस के आसपास तबादले हुए। फिर भी वे बार-बार चर्चा में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने पानी, शहर प्रशासन, स्वास्थ्य और अब खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों को कागजी फाइल से निकालकर मैदान में उतारा। सवाल यही है कि क्या देश को ऐसे प्रोएक्टिव अफसरों की और जरूरत है, जो स्वास्थ्य की शुद्धता और स्वच्छता को प्राथमिकता दें? मुंडे की पहचान सिर्फ तबादलों से नहीं बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा।

सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और तेज हुई। विभाग ने राज्यभर में हजारों निरीक्षण किए। मिलावटी दूध, नकली या एनालॉग पनीर, गंदे रसोईघर, बिना लाइसेंस के कारोबार और असुरक्षित तेल-दवाओं पर छापे पड़े। कई होटलों के लाइसेंस निलंबित हुए, स्टॉक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी दी कि मच्छर मारने के लिए तलवार न चलाई जाए। यानी सख्ती जरूरी है, पर अनुपात और प्रक्रिया भी। यहीं से मूल प्रश्न उठता है। भारत में खाद्य मिलावट, नकली दवा, गंदे जल और कमजोर अस्पताल निरीक्षण नई समस्याएं नहीं हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एफएसएसएआई) और राज्य के अन्न एवं औषधि प्रशासन के नियम हैं, स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन चलते हैं, फिर भी जमीनी अमल अक्सर ढीला रहता है। जब तक अफसर खुद मैदान में नहीं उतरता, शिकायत पोर्टल और वार्षिक रिपोर्ट से डर नहीं बनता। मुंडे जैसे अधिकारी इसी अंतर को भरते हैं। वे इंतजार नहीं करते कि मामला अदालत या मीडिया तक पहुंचे। आम नागरिक को यह दिखता है कि सरकार सिर्फ बयान नहीं दे रही, काम भी कर रही है। इसीलिए वे 'सिंघम आईएएस' कहे जाते हैं।

अगर हर ईमानदार अफसर को छह-आठ महीने बाद हटा दिया जाए, तो संदेश यह जाता है कि नियम लागू करना जोखिम है, अनदेखी करना सुरक्षित। देश को ऐसे अफसर चाहिए, पर उससे ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें प्रोएक्टिव काम को सजा नहीं, सुरक्षा मिले। स्वास्थ्य की शुद्धता केवल रेस्तरां छापे नहीं है। यह दूध में यूरिया, मसालों में रंग, दवा में कम मात्रा और सरकारी अस्पताल की गंदगी भी है। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नहीं, रसोई, गोदाम, प्रयोगशाला और दवा फैक्ट्री की सफाई है। क्या पूरे देश को ऐसे अफसर चाहिए? हां, लेकिन नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी। साथ ही मीडिया और नागरिकों को भी समझना होगा कि एक अफसर के जाते ही अभियान न थम जाए। संस्था मजबूत हो तो मुंडे के बाद भी निरीक्षण चलते रहेंगे। देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। वही असली सफलता होगी।

देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!

सावधानी

सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, घी, तेल, मसाले, अनाज, फल-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो भोजन पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाने के बाद बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों के स्वास्थ्य बोझ में उनका हिस्सा करीब 29 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में ऐसे कारणों से करीब 1.43 लाख बच्चों की मौत का अनुमान है।

डब्लूएचओ के मुताबिक असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसमें दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग से लेकर कुछ गंभीर संक्रमण और कैंसर तक शामिल हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और रासायनिक पदार्थ इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल मिलावट की समस्या मानना पर्याप्त नहीं है। भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के हर चरण में इसकी सुरक्षा जरूरी है। डब्लूएचओ के नए आकलन का एक और चिंताजनक पहलू रासायनिक प्रदूषण के खतरों से जुड़ा है। 2021 में दूषित भोजन से हुई मौतों में करीब 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक खतरों की थी। इनमें अकार्बनिक आर्सेनिक और सीसा प्रमुख थे। लंबे समय तक ऐसे तत्वों के संपर्क में रहने से हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि खाद्य में मिलावट या गड़बड़ी एक ही बात नहीं हैं। किसी खाद्य पदार्थ में जानबूझकर घटिया या अनधिकृत सामग्री की मिलावट हो सकती है, जबकि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातु, विषैले रसायन या खराब भंडारण के कारण भी भोजन दूषित हो सकता है। दोनों ही स्थितियां हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसएआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों से बनाए गए पनीर पर बिक्री संबंधी प्रतिबंध का संसद में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना जल्दबाजी होगी। पहले भी एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि चीज एनालॉग को पनीर के रूप में बेचना खाद्य कानूनों का उल्लंघन है। असली समस्या उत्पाद की संरचना, गुणवत्ता, लेबलिंग और उसे किस नाम से उपभोक्ता को बेचा जा रहा है, इससे जुड़ी है। आज की खाद्य समस्या केवल मिलावट तक सीमित नहीं है। अत्यधिक चीनी, नमक, अस्वास्थ्यकर वसा और अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन भी स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाते हैं। सरकार को भी केवल त्योहारों के दौरान छापेमारी तक सीमित रहने के बजाय नियमित और वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

यूपी से राजस्थान तक हाहाकार

नई दिल्ली। अर्नब चक्रवात के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 8 राज्यों में तेज बारिश हो रही है। इसके चलते राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में चमोली के हेमकुंड साहिब, बद्रीनाथ में शनिवार को बर्फबारी हुई। वहीं, पिथौरागढ़-घाट सड़क पर लैंडस्लाइड के चलते 300 से ज्यादा गाड़ियां फंस गई हैं। चारधाम यात्रा दो दिनों के लिए रोक दी गई है। बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से उत्तर-पूर्व यानी एमपी , राजस्थान की ओर बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में बारिश का रेड अलर्ट, चारधाम यात्रा रुकी

अर्नब चक्रवात : उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 16 मौतें

लखनऊ

बालेश्वर, ओडिशा

अस्सी घाट वाराणसी

बद्रीनाथ में बर्फबारी केदारनाथ धाम में हेली सेवाएं बंद

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड और बर्फबारी के चलते आज आदि कैलाश यात्रा के लिए परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। जो यात्री आदि कैलाश की यात्रा पर गए हैं, उन्हें गुंजी में ही रुकने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 48 घंटे से लगातार बारिश से 16 लोगों की मौत हो चुकी है। 32 जिलों में बाढ़ का खतरा है। बिहार में सुपौल के 50 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 3 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के बालासोर में 91 गांवों के 14,660 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों से 3268 लोगों का रेस्क्यू किया गया है।

ममता की रैली में होने जा रहे थे शामिल

निशाने पर टीएमसी विधायक कार पर अंडों, पत्थरों से हमला

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को ममता बनर्जी गुट के टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर पत्थर और अंडों से हमला किया गया। वह पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने के लिए श्रीरामपुर जा रहे थे। यह घटना उत्तरपारा इलाके में हुई, जहां कथित तौर पर काले झंडे लिए लोगों के एक ग्रुप ने घोष की गाड़ी को घेर लिया और गो बैक के नारे लगाए।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सामने आए वीडियो के अनुसार, कई लोग कुणाल घोष की गाड़ी को सामने से घेरकर खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। वह लगातार गो बैक यानी कि वापस जाओ के नारे लगा रहे हैं। उनके हाथों में अंडे और पत्थर हैं। कार के शीशे पर लगातार अंडे फेंके जा रहे हैं। इसकी वजह से गाड़ी के शीशे को भी नुकसान हुआ है। इस घटना पर कुणाल घोष ने कहा, 'यह जंगल राज है।

उन्होंने मेरी कार पर पत्थरों और अंडों से हमला किया और सड़क ब्लॉक कर दी। वहां कोई पुलिस वाला मौजूद नहीं था। मैं अब कोलकाता लौट रहा हूं और सीधे लाल बाजार या भवानी भवन जाकर शिकायत दर्ज कराऊंगा।' टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि यह घटना 'भाजपा का काम' थी। पार्टी नेता असित मजूमदार ने आरोप लगाया कि यह भाजपा का पहले से प्लान किया हुआ हमला था, आम लोगों का विरोध नहीं था।

तृणमूल ने लगाया भाजपा के कार्यकर्ताओं पर आरोप

ममता ने नजरबंद करने का लगाया आरोप

वहीं, ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मुझे नजरबंद कर दिया गया है, तृणमूल की रैली में जाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, 'भाजपा के गुंडों ने बंगाल के श्रीरामपुर में तृणमूल की रैली स्थल तक जाने वाले रास्ते पर कब्जा कर लिया, वहां कोई पुलिस नहीं थी।'

हमले की कई घटनाएं आई सामने

मई महीने में ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हारने के बाद से ही राज्य में अंडों और पत्थरों से हमले किए जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। खुद ममता बनर्जी, उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी और कुणाल घोष समेत टीएमसी के कई नेता इसके शिकार हो चुके हैं। 30 मई को सोनारपुर में टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी के काफिले पर पत्थर, अंडे और जूते फेंके गए थे, जिससे उनके सिर में मामूली चोट लगने की बात सामने आई और उन्हें हेलमेट पहनकर वहां से निकलना पड़ा। 31 मई को हुगली के चंडीतला में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान उनके सिर के पीछे पत्थर लगा, जिससे वे गिर गए। 28 मई को दमदम के सांसद सौगत राय की गाड़ी पर निमता थाने से निकलते समय प्रदर्शनकारियों ने अंडे फेंके।

पहले भी हुआ था अंडे से हमला

इसके बाद 7 जून को कमरहाटी विधायक मदन मित्र की गाड़ी पर अंडे फेंके गए और गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। 15 जून को कोलकाता के कालीघाट में ममता बनर्जी के आवास के बाहर मीडिया से बात करते समय विधायक कुणाल घोष के सिर के पीछे अंडा लगा। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। 18 जून को पूर्व मंत्री उदयन गुहा को कोर्ट से बाहर लाते समय उन पर अंडा फेंका गया, जो उनके हेलमेट पर लगा। बाद में टीएमसी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अभिषेक बनर्जी, कुणाल घोष, मदन मित्र, कल्याण बनर्जी और डेरेक ओ'ब्रायन समेत नेताओं पर हुए ऐसे हमलों का जिक्र किया।

शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट : हम छात्रों के अधिकारों की करेंगे रक्षा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देश भर में हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर दो टूक लहजे में कहा है कि न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध करने के मौलिक अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ किया है कि अगर इसका उल्लंघन होता है तो अदालतें चुप नहीं बैठेंगी।

सीजेआई ने देशभर के आंदोलनों पर कहा

शनिवार को पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (सीएनएलयू) में सीजेआई ने यह बात कही हैं।सीएनएलयू में सीजेआई ने खुलकर छात्रों से बात की और यह भी स्पष्ट किया कि वे 'खुले तौर पर सवाल-जवाब का सत्र' पसंद करते हैं। इस कार्यक्रम में एक छात्रा ने सीजेआई से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस की प्रतिक्रिया को लेकर सवाल पूछा था।

'अदालतें चुप नहीं बैठेंगी'

सीएनएलयू के बयान के मुताबिक, कार्यक्रम में एक छात्रा ने शांतिपूर्ण छात्र प्रदर्शनों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल लिया था। छात्रा के सवाल का संकेत हाल ही में नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों से था। छात्रा के सवाल पर सीजेआई ने कहा कि अगर पुलिस पर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बेरहमी से दबाने का आरोप है तो अदालतें इस मामले में चुप नहीं बैठेंगी। उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

कैट ने 'नो-यूपीआई-डे' की खबरों को बताया फेक

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी कैट ने 2 अक्टूबर को देशभर में 'नो यूपीआई डे' मनाने की मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है। राष्ट्रीय व्यापारी संगठन ने कहा कि उसने ऐसा कोई ऐलान नहीं किया है।

कैट ने कहा कि डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है और संगठन इसके सपोर्ट में है। हमारा विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं है। 2 दिन पहले खबरें आई थीं कि देशभर में व्यापारी और दुकानदार 2 अक्टूबर को यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे। सरकार के 2000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर 0.4% चार्ज के विरोध में व्यापारी संगठनों ने इस दिन नो यूपीआई डे मनाने का ऐलान किया है। इस दिन व्यापारी अपनी दुकानों पर लगे यूपीआई QR कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध जताएंगे। व्यापारियों की सरकार से 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहे चार्ज को हटाने की मांग है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

॥ तृतीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ॥

क्र./1361/लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 22/09/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेन्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
199921	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	05.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/1109 Raipur, date 23.09.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public Sector Undertaking/ Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/Gangrel-HEP/ W/2026/88	Annual maintenance of lawn and gardens inside PH premises, sweeping & cleaning of roads, drains, office building and caretaking for meeting hall & retiring room at 4x2.5 MW, HEP, Gangrel, Dhamtari. **E- 494561**	14.92 Lacs
CEC/DSPM-KE/ W/ 2026/89	Miscellaneous civil work in football ground at AB type colony DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East **E-Comp. No. 385254**	7.73 Lacs
CEC/DSPM-KE/ W/ 2026/90	Replacement of Mangalore tiled roofing with PUF panel roofing wing-I (Room No. 1& 2) i/c sit outs, toilets, dressing room and front corridor of VIP rest house at AB type colony, DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East **E-Comp. No. 385242**	13.16 Lacs
CEC/DSPM-KE/ W/ 2026/92	Construction of CCTV Control room over the existing Security building at DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East **E-Comp. No. 425528**	12.43 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Eligibility Criteria, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.(ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

SAVE ELECTRICITY

CSPTCL
CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LTD
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) (छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
OFFICE OF CHIEF ENGINEER (HUMAN RESOURCE), RAIPUR
PHONE NO. (दूरभाष): 0771-2574700, 2574157
Website (वेबसाइट): https://cspc.co.in Email (ईमेल): hr.csptcl@cspc.co.in

सार्वजनिक सूचना

भर्ती एवं नियुक्ति संबंधी फर्जी पत्रों और भ्रामक संदेशों से रहें सावधान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों और आम जनता को फर्जी नियुक्ति/प्रस्ताव पत्र, कॉल/साक्षात्कार पत्र, पहचान पत्र और पॉवर कंपनी के नाम पर जारी किए गए धोखाधड़ी वाले व भ्रामक संदेशों से सावधान रहने की चेतावनी देता है।

पॉवर कंपनी में विभिन्न पदों पर भर्ती केवल निर्धारित और विधिवत अधिसूचित भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से और जहां भी लागू हो, पॉवर कंपनी स्वयं, राज्य शासन अथवा केन्द्र शासन से अधिकृत भर्ती एजेंसियों के माध्यम से ही की जाती है। पॉवर कंपनी निजी व्यक्तियों, एजेंटों, मध्यस्थों या अनाधिकृत व्यक्तियों के माध्यम से उम्मीदवारों की नियुक्ति नहीं करती है, न ही यह किसी को भर्ती, नियुक्ति, दस्तावेज सत्यापन, ज्वाइनिंग या पोस्टिंग के लिए धन मांगने या एकत्र करने के लिए अधिकृत करती है।

जनता को सलाह दी जाती है कि :

- भर्ती संबंधी सभी जानकारी की पुष्टि केवल पॉवर कंपनी की अधिकारिक वेबसाइट **www.cspc.co.in** के माध्यम से ही करें।
- भर्ती या नियुक्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का भुगतान न करें या धन की मांग का जवाब न दें।
- ओटीपी, पासवर्ड, बैंकिंग विवरण या अन्य गोपनीय/व्यक्तिगत जानकारी अनाधिकृत व्यक्तियों के साथ साझा न करें।
- पॉवर कंपनी में चयन या नियुक्ति की गारंटी के आश्वासनों से सावधान रहें।
- किसी भी भर्ती संबंधी सूचना पर अमल करने से पहले उसकी प्रमाणिकता की पुष्टि अवश्य कर लें।
- किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी वाले सूचनाओं को सुरक्षित रखा जा सकता है और उचित कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सूचित किया जा सकता है।
- धोखाधड़ी पूर्ण वाले व भ्रामक सूचनाओं पर भरोसा करने या अनाधिकृत व्यक्तियों को किए गए भुगतान से उत्पन्न किसी भी नुकसान के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी जिम्मेदार नहीं होगी।

मुख्य अभियंता (मानव संसाधन)
संवाद **छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर**

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: 368519/2026 Korba, Date 24.09.2026

Sr No	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	200095 (1st Call)	Construction of petrol pump proposed by Municipal Corporation Korba (Nigam Mad)	67.72

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 24.09.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Superintending Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

राशिफल

मेष धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 6360

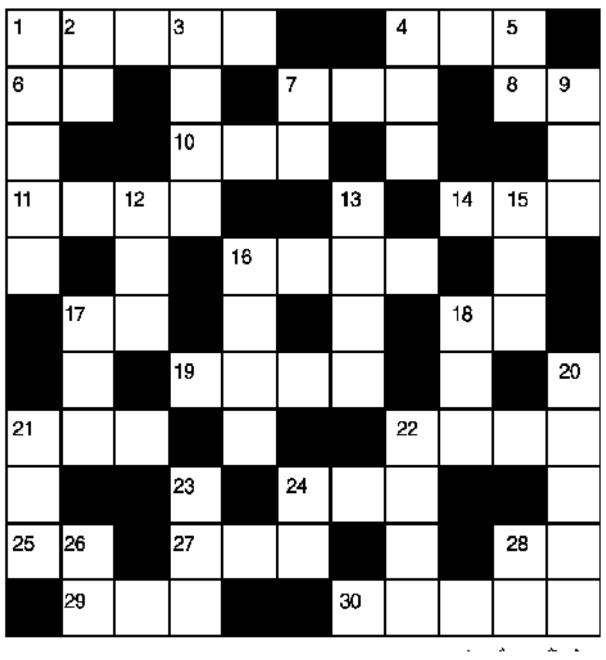

बाएँ से दाए

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिनाबाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की, पुत्री,बेटी -2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम -3
13.गंगा का पानी -4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन -4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र- 3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली- 6359 का हल

सूडोकु नवताल - 6370

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6369 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि भले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाते हैं।

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई 'डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज' लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई 'स्लो लिविंग' के नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अकसर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।

खान-पान में आत्मानुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम मैं भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे।

आज हम 'इंटरमिटेंट फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चश्मा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव थी। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।

धीमी जिंदगी का आनंद

'स्लो लिविंग' का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज 'स्लो मॉर्निंग', 'माइंडफुलनेस' और 'माइंडफुल कुकिंग' जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की घर्र-घर्र में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेलनेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनकी मितव्ययता उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विराटता है, जो उन्हें महापुरुष बनाती है। *

विशेष: अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस

1 अक्टूबर

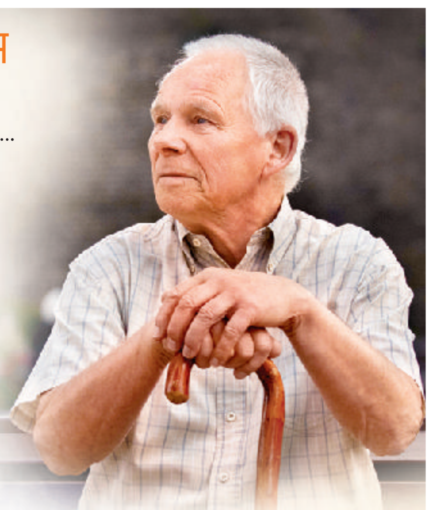

बुजुर्गावस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।

ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को 'सक्रिय वृद्धावस्था' की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

शारीरिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र के पुरुषों में एंड्रोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों का दर्द और हृदय संबंधी रोगों का जोखिम भी बढ़ता है।

'अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन' के अनुसार, सप्ताह में 2-3 बार हल्का वजन उठाना या बॉडीवेट एक्सरसाइज करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और मांसपेशियों का नुकसान रुकता है। भोजन में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की मात्रा बढ़ाएं। कार्बोहाइड्रेट कम करें और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर 'मेडिटेरेनियन डाइट' यानी साबुत अनाज, फल, सब्जियां अपनाएं। प्रतिवर्ष लिपिड प्रोफाइल, एचबीए1सी, बोन डेंसिटी टेस्ट और कैंसर स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराएं।

मानसिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में याददाश्त का कमजोर होना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसे अल्जाइमर या डिमेंशिया का जोखिम होता है। मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी में कमी आने लगती है। नई तकनीक या बदलावों को सीखने में मानसिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।

न्यूरो साइंस कहता है कि दिमाग को नई चुनौतियों में लगाने से नए न्यूरॉन्स बनते हैं। इसके लिए कोई नई भाषा सीखें, वाद्य यंत्र बजाएं या जटिल पहेलियां सुलझाएं। साथ ही रोज पर्याप्त क्वालिटी स्लीप लें। 'स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।

भावनात्मक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में अधिकांश लोग एंप्टी नेस्ट सिंड्रोम से जूझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोंस का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा 'इकिगाई' अपना सकते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुबह उठने का एक स्पष्ट उद्देश्य जैसे कोई हॉबी, बागवानी या समाज सेवा होता है, उनका जीवनकाल लंबा होता है और मन शांत रहता है।

सामाजिक समस्याएं-समाधान: हार्वर्ड के 85 साल लंबे चले एक अध्ययन ने साबित किया कि स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी, अकसर शारीरिक कष्टों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनरेशन गैप के कारण वे उपेक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक समूहों से जुड़ें। स्वैच्छिक सेवा करने से शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज होता है, जो सामाजिक जुड़ाव बढ़ाता है। साथ ही आधुनिक सोशल मीडिया टूल्स, वीडियो कॉलिंग एप्स और ऑनलाइन कम्युनिटीज को सीखें ताकि दूर रहने वाले परिवार और दोस्तों से लगातार जुड़े रह सकें।

अंत नहीं दूसरी पारी: आपको समझना होगा कि ओल्डएज जीवन का अंत नहीं, बल्कि 'सेकेंड इनिंग' है। इस चरण में आने वाली समस्याओं से डरने के बजाय अनुशासित, जागरूक दृष्टिकोण अपनाएं। *

(जनरल फिजीशियन डॉ. एल. सी. राठी, मनोविज्ञानी डॉ. आंचल मुरारका, डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

कविता

हेमधर शर्मा

मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है
जो पास हमारे होता है
वह उतना खास नहीं लगता
जितना महसूस चले
जाने पर होता है!
जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं
तो कष्ट-असुविधा भरी
जिंदगी लगती थी
पर सुविधा बढ़ जाने पर भी
क्यों समय सुहाना
वही पुराना लगता है!
कट जाए उम्र सुख-सुविधा में
हम यही कामना करते हैं
संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों
अंत निरर्थक लगता है!

व्यंग्य / मुकेश असीमित

सबसे आगे रहने का जुनून

एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।

हाल में एक स्मार्टफोन का नया वर्जन लॉन्च होने पर देश-विदेश में लोगों की लंबी लाइनें देखने को मिलीं। सबसे पहले पाने का जुनून देखने का काबिल था। सब कुछ सबसे पहले पाने के लिए कुछ भी कर गुजरने का गुण हम जन्मजात लेकर आते हैं। हमें सबसे पहले पहुंचना, पाना, बताना, बांटना और लूटना भी है। सड़क पर हमारी प्रतिभा दिखाई देती है। एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है। संभव हुआ तो उससे पहले यमलोक भी। लाल बत्ती उसके लिए आदेश नहीं, बुद्धि-परीक्षण है, देखें ट्रैफिक पुलिस और नियमों के बीच से कैसे निकला जा सकता है? ट्रैफिक जाम में उसका हाथ एक्सीलेरेटर पर वैसा फड़कता है, जैसे चेतक की लगाम पर महाराणा प्रताप का। हॉर्न उसका रणघोष है। सामने जगह न हो, वह हॉर्न से जगह पैदा करने में विश्वास रखता है। चिंता रहती है, दूसरे लोग अगली सदी में कहीं उससे पहले न पहुंच जाएं।

कार-वीर भी पीछे नहीं रहते। गति बढ़ाकर वह आगे निकलने को तत्पर रहते हैं। सामने वाला रास्ता न दे तो शीशा, बोनट और फुटपाथ, सभी वैकल्पिक मार्ग हैं। मंजिल कहां है, यह गौण है, बस 'कोई उससे आगे नहीं निकल जाए' यही उसका ध्येय होता है।

जहां कुछ मुफ्त बंट रहा हो, वहां हमारी गति अलौकिक हो जाती है। लंगर, प्रसाद, रेवड़ी, ज्ञान, तमाशा या झगड़ा, हम प्रथम पंक्ति में मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। डर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए।

अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चरित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसेप्शनिस्ट ने कहा, 'आप अकेले हैं, दिखा लीजिए।' वह बोला, 'थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया? विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।'

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है। भीतर वाला बाहर आने को बेचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले मैं-पहले मैं की 'तू-तू मैं-मैं' में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चा।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है। फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस की 'बाय-बाय' किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विदाई में वसूलना है।

बैंक, राशन, वॉशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा कतार से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांघकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बेचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, 'भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लेट जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।' संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लकड़ियों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों।

दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

पोर्टफोलियो में विविधीकरण से मजबूत हो सकती है वित्तीय योजना

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते। इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखना भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी **SIP** से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटानी है तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती हैं। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें

निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयावधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश करने के बाद समय-समय पर यह देखना चाहिए कि निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयावधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।

निवेश से पहले जरूर देखें

- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?

महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

- बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%
- महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आक्रामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा

निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक **B**30 लोकेशंस के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 39.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

एसआईपी ने बदली निवेश की आदत

म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी के पीछे एसआईपी की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। नियमित छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा ने इक्विटी को उन लोगों के लिए भी सुलभ बनाया है, जो एकमुश्त बड़ी रकम निवेश नहीं कर सकते। लेकिन एसआईपी का मतलब यह नहीं कि नुकसान का जोखिम खत्म हो जाता है। एसआईपी केवल निवेश करने का तरीका है। जिस फंड या परिसंपत्ति में पैसा लगाया गया है, उसके प्रदर्शन के अनुसार निवेश का मूल्य ऊपर-नीचे हो सकता है।

पांच साल में तीन गुना से ज्यादा हुआ इक्विटी एयूएम

इक्विटी म्यूचुअल फंड की बढ़ती स्वीकार्यता का असर उसके कुल एयूएम में भी दिखाई देता है। अगस्त 2021 से अगस्त 2026 के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड का एयूएम 12.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 39.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी पांच साल में यह तीन गुना से ज्यादा बढ़ा। इसी अवधि में इक्विटी फोलियो की संख्या भी 7.3 करोड़ से बढ़कर 18.9 करोड़ हो गई। यहां एयूएम और फोलियो के अंतर को समझना जरूरी है। एयूएम बताता है कि कुल कितनी रकम प्रबंधित हो रही है, जबकि फोलियो निवेश खातों की संख्या को दर्शाता है। फोलियो में बढ़ोतरी यह बताती है कि निवेशकों का आधार भी व्यापक हुआ है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बाजार में गिरावट के दौरान भी फोलियो बढ़ते रहे। दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच इक्विटी एयूएम 30.6 लाख करोड़ से घटकर 27.4 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन इक्विटी फोलियो 15.7 करोड़ से बढ़कर 16.2 करोड़ हो गए।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें

इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निफ्टी 50 टीआरआई का सीएजीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उतनी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

- अगस्त में एसआईपी निवेश पहली बार 32 हजार करोड़ के पार
- स्मॉल कैप फंडों में 7,973 करोड़ रुपये पहुंचे
- निवेश बढ़ाने के बजाय लक्ष्य और जोखिम क्षमता के हिसाब से पोर्टफोलियो तय करें
- एसआईपी बंद न करें, लेकिन आंख मूंदकर पैसा बढ़ाना भी समझदारी नहीं

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ औसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात

स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में लगा देता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, फ्लैक्सी कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनिट खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

निवेशक क्या करें?

- **पहला :** एसआईपी बंद न करें, लेकिन उसकी समीक्षा जरूर करें। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और फंड तथा जोखिम स्तर उपयुक्त हैं तो केवल बाजार की चाल देखकर एसआईपी रोकना जरूरी नहीं।
- **दूसरा :** स्मॉल कैप का हिस्सा जांचें। पूरे पोर्टफोलियो में स्मॉल कैप कितना है, यह देखें। जरूरत से ज्यादा हो गया है तो नए निवेश को दूसरी श्रेणियों में मोड़ने पर विचार किया जा सकता है।
- **तीसरा :** लक्ष्य के हिसाब से निवेश करें। रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, घर या आपातकालीन जरूरत हर लक्ष्य की समयावधि अलग है। उसी हिसाब से जोखिम लेना चाहिए।
- **चौथा :** आपातकालीन फंड अलग रखें। शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड को अचानक आने वाले खर्च के लिए इस्तेमाल करने की योजना नहीं बनानी चाहिए।
- **पांचवां :** बाजार को समय देने के बजाय समय को बाजार में दें। लंबी अवधि के निवेश में अनुशासन महत्वपूर्ण है। बाजार कब ऊपर जाएगा या कब नीचे आएगा, इसकी भविष्यवाणी करने के बजाय निवेश की अवधि और परिसंपत्ति-वितरण पर ध्यान देना ज्यादा व्यावहारिक है।

रिकॉर्ड एसआईपी खतरा नहीं, चेतावनी जरूर है

रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को बाजार में बुलबुले का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार भी हुआ है और निवेशकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम करीब 87.08 लाख रुपये करोड़ था। लेकिन रिकॉर्ड प्रवाह निवेशकों के लिए एक दूसरी तरह की याद दिलाता है। निवेश बढ़ रहा है तो वित्तीय समझ भी उसी गति से बढ़नी चाहिए। स्मॉल कैप में पैसा बढ़ रहा है, एसआईपी रिकॉर्ड बना रही है और नए निवेशक बाजार से जुड़ रहे हैं। ऐसे समय में सही सवाल यह नहीं होना चाहिए कि "कितना ज्यादा रिटर्न मिलेगा?", बल्कि यह होना चाहिए कि "मेरे लक्ष्य के लिए कितना जोखिम उचित है?"

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

- ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत
- कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजबूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मामला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर पैसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रैप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पूरी करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा है।

अतिरिक्त आय न समझें

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी लिमिट को अपनी अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। अगर हर महीने पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार बकाया आगे बढ़ाया जा रहा है तो व्यक्ति अपनी भविष्य की आय पहले ही खर्च कर रहा है।

कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रैप की ओर बढ़ रहे हैं?

- पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
- दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू. भुगतान करना।
- तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचना।
- चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
- 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

डेट ट्रैप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को ढकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दर कितनी है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी हैं। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और शर्तों की तुलना करके पुनर्गठन या उचित समेकन के विकल्पों पर बैंक या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर में 48...

तमाम जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। रायपुर में चौबीस घंटे में 181 मिमी. वर्षा हुई, जिसने राज्य में दस साल के रिकार्ड को ब्रेक कर दिया। राजधानी रायपुर में पिछले 48 घंटे में 300 मिमी. बारिश दर्ज की गई।

पूरे रायपुर संभाग में जमकर बरसात से खारुन नदी ओवरफ्लो हो गई। रायपुर और दुर्ग जिले को जोड़ने वाले अम्लेश्वर पुल के ऊपर करीब दो फीट तक पानी भर गया। खतरे की आशंका के मद्देनजर जिला प्रशासन ने स्थिति सामान्य होने तक महादेवघाट में गणेश प्रतिमा विसर्जन पर पाबंदी लगी दी है।

रायपुर, दुर्ग,पिपरिया में जोरदार बारिश -
मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले चौबीस घंटे में दुर्ग में सर्वाधिक 200 मिमी., पिपरिया में 190, रायपुर शहर में 180, पंखाजूर में 170, गंडई एवं भिलाई में 160-160, बोराई, बालोद, मंदिर हसौद, घुमका, सिमगा, अर्जुंदा, अंतागढ़ में 150-150, तिल्दा, अहिवारा, नेहरपुर, कबीरधाम, तखतपुर में 140-140, अमलीपदर, गुंडरदेही, कोहकामेटा में 130-130, बोड़ला, साल्हेवारा, नारायणपुर, बड़ेराजपुर, भैसमा, माना, केशकाल समेत अन्य इलाकों में 120 से 100 मिमी. की भारी वर्षा हुई।

थमी बारिश, धूप भी निकली-
शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात जमकर बरसने के बाद सिस्टम आगे की ओर बढ़ गया। काफी मात्रा में बादल छंटने के बाद राजधानी में वर्षा की गतिविधि पर विराम लगा और धूप भी निकली। उत्तरी इलाके यानी बिलासपुर, पेंड्रा, अंबिकापुर, जशपुर जैसे इलाके में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। अगले चौबीस घंटे में सिस्टम के कमजोर होने से वर्षा की गतिविधि में कमी आने की संभावना है।

टीआई ने पुल पर फंसे परिवार को बचाया-
दुर्ग में शिवनाथ और खारुन के किनारे करीब दो सौ लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। राजनांदगांव में भी शिवनाथ नदी के किनारे रेस्क्यू के लिए प्रशासन सतर्क है। शुक्रवार को कुछ लोगों का रेस्क्यू करना पड़ा था।

शनिवार को खैरागढ़ में कार से कान्हा किसली रहे एक परिवार पुल पर फंस गया था। परिवार ने 112 पर सूचना दी जिसके बाद टीआई रविशंकर गेंदले ने खुद पानी में उतरकर परिवार को सुरक्षित निकाला।

दशकों बाद कुलेश्वरनाथ...

चार वार्ड 15, 16, 17 और 19 में बाढ़ का सबसे अधिक असर पड़ा है। इन वार्डों के 1971 प्रभावितों को सोमवारी बाजार, सामुदायिक भवन, मंडी, झूलेलाल मंदिर सहित अन्य सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया है। प्रशासन की ओर से प्रभावितों के लिए दोनों समय भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

कई बड़ी इमारतों में पानी घुस गया है, जबकि निचले इलाकों की छोटी झोपड़ियां और कच्चे मकान बाढ़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

राजिम में 2 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित-
गंगरेल से पानी छोड़ने का सबसे ज्यादा असर राजिम में नजर आ रहा है। यहां बरसों बाद कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के चबूतरे पर पानी चढ़ गया। वहीं कुछ वार्ड भी बुरीतरह प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने समय पर रेस्क्यू अभियान चलाकर दो हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। यहां के चार वार्डों में सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है।

दो बालक अरपा...

उनका पता नहीं चल पाया। शाम को एसडीआरएफ की टीम ने एक बालक का शव बाहर निकाल लिया है। देर रात तक दूसरे का पता नहीं चल पाया था।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, दयालबंद मधुबन अटल आवास निवास निवासी आयान पिता राजू 13 साल, मो. इमवेज पिता मो. शरीफ 15 साल व एक अन्य बालक शनिवार की सुबह 11.30 बजे घर के पास अरपा नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान आयान ने नदी में नारियल बहते देखा, लालच में वह नारियल लेने के लिए गहराई में चला गया, उसे डूबते देख इमवेज बचाने के लिए गया और वह भी गहराई में जाकर डूब गया। तीसरे बालक ने अटल आवास जाकर लोगों को सूचना दी। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस व एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी, इस बीच कुछ लोगों ने नदी में छलांग लगाकर बालकों की तलाश में शुरू की। एक घण्टे तक लोग बालकों की नदी में तलाश करते रहे, किन्तु दोनों बालक नहीं मिले। उसके बाद एसडीआरएफ की टीम दोनों बालकों की तलाश में जुट गई। नदी की गहराई अधिक होने और झाड़ियां होने से बालकों का पता नहीं चल पा रहा था। शाम 7 बजे एसडीआरएफ की टीम ने एक बालक आयान को खोजकर बाहर निकाला। उसके पेट को तबाकर पानी निकालने का प्रयास किया। उसके बाद परिजन उसे लेकर सिम्स गए। जहां डाक्टर ने परिक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव मरच्यूरी में रखवा दिया है। वहीं दूसरे बालक का देर रात तक पता नहीं चल पाया था। प्रत्यक्षदर्शी मुस्तफा अली ने बताया, दोनों बालकों के नदी में डूबने की सूचना तत्काल पुलिस व एसडीआरएफ की टीम को दी गई थी। लोग एसडीआरएफ टीम का इंतजार करते खड़े रहे। किन्तु एक घण्टे बाद टीम मौके पर पहुंची।

धरसींवा से 150...

सवार थे, जिन्हें डॉयल-112 की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। टिकरापारा थाना क्षेत्र के बोरियाखुर्द में नाले में बहने से लक्ष्मीनारायण पवार के सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई। लक्ष्मीनारायण अपने बेटे तथा बेटी के साथ दोपहिया वाहन से कहीं जा रहा था। इस दौरान एक नाले के पास उसने अपनी दोपहिया रोकी। इसके बाद नाले के पास वह अपने बेटे के पैर धोने लगा। पैर धोकर किसी काम से पीछे घूमा, उतनी देर में ही उनका बेटा नाले में गिर गया और पानी के तेज बहाव में बहता चला गया। **चार सौ मीटर दूर मिला बच्चे का शव-** बच्चे के नाले में बहने की सूचना मिलने के बाद आसपास से गुजर रहे लोग उसे बचाने दौड़े, तब तक बच्चा लोगों की आंखों से ओझल हो गया। स्थानीय पार्षद तिलक साहू के अनुसार, बच्चे का शव घटनास्थल के चार सौ मीटर दूर मिला। बच्चे को आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, जिसमें लक्ष्मीनारायण अपने बेटे के पैर धोते दिख रहा है। **इन पांच गांवों के रहवासियों का रेस्क्यू** -भारी बारिश के कारण खारुन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के गांव काठाडीह से 40, दतरेंगा से 30, बाना से 54, गोमची से चार तथा पठारीडीह से 20 लोगों को रेस्क्यू कर निकाला गया है। पठारीडीह में रहने वाले 14 लोग ऐसे हैं, जो अपने घर से निकलने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें समझाइश देकर निकालने प्रशासन की टीम देर शाम तक प्रयास करती रही। भाठागांव, केशरी बगीचा, खुड़मुड़ा घाट में कुछ लोगों के बाढ़ में फंसे होने की जानकारी मिलने पर प्रशासन की टीम देर शाम रेस्क्यू करने पहुंची। **बिरगांव का युवक नाला पार करते बहा**-अपने जीजा के घर से लौट रहा बिरगांव का युवक अंकित पाठक (24) तिल्दा-कोहका-राजिया मार्ग पर उफनते नाले में बह गया। युवक की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक शुक्रवार को अपने दोस्तों के साथ वापस रायपुर लौट रहा था। अंधेरा होने के कारण युवक नाले का सही ढंग से आकलन नहीं कर पाया। युवक को उसके दोस्तों ने बचाने की कोशिश भी की, लेकिन वे उसे पकड़ नहीं पाए। बताया जा रहा है अंकित तथा उसके दो दोस्त एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नाला पार कर रहे थे। इस दौरान हादसा हुआ है। **पेड़ का सहारा मिलने से बची पांच की जान-** कान्हा-किसली सैर करने जा रहे कार सवार पांच युवक-युवती पुल पार करते पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गए। सभी को डॉयल-112 की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की। कार में रायपुर, गुढ़ियारी निवासी कुबेर साहू, कमलेश साहू, निहाल सक्सेना तथा भिलाई निवासी महक कौर, प्रीति रात्रे सवार थे। कार कुबेर चला रहा था। बताया जा रहा है, पुलिस के चेतावनी के बावजूद युवक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के दनिया पुल को पार करने लगे। पानी का बहाव तेज होने की वजह से कार बह गई। कार में सवार पांचो युवा किसी तरह पेड़ का सहारा लेकर फंसे रहे और डॉयल-112 पर फोन कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही गंडई थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और भारी बारिश और अंधेरे के बीच सभी को रेस्क्यू किया।

प्रेमानंद के शिष्य...

वाले अन्य साधक तुरंत ही गाड़ी से उन्हें अस्पताल लेकर भागे। यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। साधक की धोती कमर से नीचे खून से लथपथ हो रही थी और उनके मुंह से खून निकल रहा था। चिकित्सकों ने जांच की तो देखा उनका प्राइवेट पार्ट कटा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को कमरे में साधक का कटा हुआ प्राइवेट पार्ट और एक ग्राइंडर मिला है। पुलिस ने ग्राइंडर के ऊपर से फिंगर प्रिंट भी लिए हैं। फॉरेंसिक टीम ने उसने अपने कब्जे में लिया है। चूंकि वह बिजली मिस्त्री था, आश्रम में रहकर बिजली का काम भी देखता था।पुलिस ने साधक के शव को पोस्टमार्टम गृह पर भेजा और जांच के लिए आश्रम पहुंच गई। थाना पुलिस की सूचना एसपी सिटी राजीव सिंह और सीओ वृंदावन संदीप सिंह भी पहुंच गए। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि साधक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की जांच स्पष्ट हो जाएगी।

2025 से रहे थे जबलपुर के दीपक-संत प्रेमानंद महाराज को गुरु मानकर उनको अनुसरण करने के लिए 2025 में जबलपुर के दीपक वृंदावन आए। यहां आने के बाद वह यहां का ही होकर रहे गए। संत से दीक्षा लेने के बाद वह आश्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग करने लगे तो वह अन्य साधकों के साथ रहने लगे। **कुछ समय पहले ही हुआ था निर्माण**-गऊ कृपा कुंज आश्रम का निर्माण कुछ समय पहले ही हुआ था। चार मंजिल के इस आश्रम में छत पर सोलर प्लांट लगा हुआ है और नीचे के तल पर कमरे बने हुए हैं। कमरों में साधक रहते हैं। गली में दो दर्जन से अधिक आश्रम बने हुए हैं। पुलिस को जानकारी मिली है कि आश्रम करीब दो माह पूर्व ही शुरू हुआ है।

सीढ़ियों पर थे खून के निशान-आश्रम की सीढ़ियों पर खून के निशान भी पुलिस को मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने वहां के भी नमूने लिए हैं। पुलिस प्रथमदृष्टया आत्महत्या मान रही है लेकिन अन्य बिंदुओं पर भी पड़ताल की जा रही है। वहीं, आश्रम में रहने वाले साधकों ने घटना के बाद आश्रम के सामने लगी सबमर्सिबल चलाकर पानी से सड़क पर पड़े खून को साफ किया।

चित्रकोट का दुर्लभ ...

पर्यटक और स्थानीय लोग चित्रकोट पहुंच रहे हैं। इनक्रेडिबल इंडिया के अनुसार मानसून के दौरान जलप्रपात लगभग 300 मीटर यानी 980 फीट तक फैल जाता है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड भी इसे भारत का सबसे चौड़ा जलप्रपात बताता है।

कबड्डी में भारत...

पदक है। पुरुष टीम की जीत की खास बात यह रही कि उसके सबसे अनुभवी खिलाड़ी पवन सहरावत को मैट पर उतरने की जरूरत ही नहीं पड़ी। मुकाबले के बीच में जब गत चैंपियन टीम नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रही थी, तब रेडर अर्जुन देशवाल और देवांक ने निर्णायक क्षणों में संयम दिखाते हुए मुकाबले का रुख भारत के पक्ष में मोड़ दिया। ईरान ने हर अंक के लिए पूरी ताकत झोंकी और शारीरिक खेल में भारत को कड़ी चुनौती दी। उसने आखिरी के कुछ मिनटों को छोड़कर भारतीय टीम को लय में आने का मौका नहीं दिया। मध्यांतर तक ईरान 18-17 से आगे था और भारत पर दबाव साफ दिखाई दे रहा था। भारतीय खिलाड़ियों ने हालांकि धैर्य नहीं खोया। उन्होंने खेल की गति बदली, अपने रेडरों पर भरोसा जताया और अनुभव का इस्तेमाल किया। अर्जुन और देवांक बार-बार ईरान के पाले में ज्यादा अंदर तक जाने में सफल रहे और सही मौके चुने और अहम अंक लेकर लौटे। इससे धीरे-धीरे ईरान दबाव में आने लगा। सहरावत ने मैच के बाद कहा, मध्यांतर में ईरान 18-17 से आगे था। हमने रणनीति बनाई कि केवल उन्हीं रेडरों को भेजा जाएगा जो विपक्षी खिलाड़ियों पर दबदबा बना सकें। देशवाल और देवांक ने यह काम बखूबी किया और उनकी रेड ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। रणनीति में बदलाव सिर्फ रेडरों तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती दौर में जरूरत से ज्यादा आगे जाकर फंसने वाले असलम मुस्तफा को डिफेंस में भेजा गया, जहां उन्होंने अधिक प्रभावी भूमिका निभाई। भारत ने अपनी रक्षापंक्ति भी मजबूत की, जिससे ईरान के रेडरों के लिए आसान अंक हासिल करना मुश्किल हो गया। मुकाबले का निर्णायक मोड़ तब आया जब भारत ने ऑलआउट कर अपनी बढ़त 29-24 कर ली। स्वर्ण पदक करीब दिखने लगा तो भारतीयों ने जल्दबाजी के बजाय खेल की गति धीमी कर दी। रेडर मिडलाइन के आसपास रहे, मौके का इंतजार किया और बिना जोखिम उठाए सुरक्षित लौटते रहे। ईरान के पास अंक जुटाने के लिए जोखिम उठाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उसके रेडर भारतीय पाले में ज्यादा गहराई तक आने लगे, लेकिन मजबूत होती भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें अंक जुटाने के कम मौके दिये। हर नाकाम रेड के साथ ईरान पर दबाव बढ़ता गया और भारत अपनी बढ़त के सहारे धैर्य से खेलता रहा।

ईरान को यूं दी शर्मनाक हार-
महिला टीम ने भी दबाव भरे मुकाबले में संयम बनाए रखते हुए रिकॉर्ड चौथा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ईरान इस खेल में भारत का कठिनतम प्रतिद्वंद्वी रहा है लेकिन मुकाबले में अनुभवहीनता उसके लिये नुकसानदेह साबित हुई। भारत ने ग्रुप चरण में ईरान को हराया था और उसकी कमजोरियों का एक बार फिर फायदा उठाया। ईरान के खिलाड़ियों के पास ऊंचा कद और तकनीक थी लेकिन अनुभव नहीं था। भारत ने हाफ टाइम तक 22-16 से बढ़त बना ली थी लेकिन दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी करके स्कोर अंतर सिर्फ एक अंक का करके स्कोर 26-27 कर दिया।

कबड्डी में भारत का दबदबा-
कबड्डी में भारत का दबदबा जारी है। इस खेल को 1990 में एशियाई खेलों में शामिल किए जाने के बाद से भारतीय पुरुष टीम ने 9 पदक जीते हैं। इनमें 8 स्वर्ण पदक शामिल हैं। 2018 में भारत का स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला टूटा था, जब टीम को कांस्य पदक मिला था।

कोरबा के छोटे...

की कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी भी शामिल थी। यह पहला मौका है जब छत्तीसगढ़ की खिलाड़ी ने एशियाई खेल में भाग लेते हुए बड़ी जीत दर्ज की हो। इस जीत के बाद संजू ने कहा कि मुझे गर्व है कि छत्तीसगढ़ के लिए मैं पहला गोल्ड लेकर आ रही हूं। पूरे टूर्नामेंट में मैंने अपना बेहतर प्रदर्शन दिया है। बता दें कि कोरबा जिले के छोटे से गांव केराकछार की रहने वाली 23 वर्षीय संजू देवी एक श्रमिक परिवार से आती हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मेहनत और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया। जुलाई 2023 से वे बिलासपुर के बहतराई स्थित आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं, जहां उनके खेल को नई दिशा मिली।

प्रदेश के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा-
20वें एशियाई खेल में महिला कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया मैच में उपस्थित रहे। इस दौरान छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से संजू देवी की बात कराई। उन्होंने संजू देवी और भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई दी। महासचिव सिसोदिया ने बताया की संजू की जीत आगे होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियो का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रयास करता रहेगा, जिससे राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें

देश और विदेश की प्रतियोगिता में संजू ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन-
संजू देवी ने नवंबर 2025 में बांग्लादेश में आयोजित कबड्डी विश्वकप-2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 'मोस्ट वेल्युबल प्लेयर' का खिताब जीता। फाइनल मुकाबले में भारत के 35 अंकों में से 16 अंक अकेले संजू ने बनाए, जो उनकी निर्णायक भूमिका को दर्शाता है। इसके अलावा सेमीफाइनल और अन्य मैचों में भी उन्होंने लगातार शानदार खेल दिखाया। मार्च 2025 में ईरान में आयोजित एशियन कबड्डी चैंपियनशिप-2025 में भी संजू ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने वहां भी टीम को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला कबड्डी खिलाड़ी हैं।

प्रदेश के लिए...

से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप आइए हम आपका स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री ने संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है।

गरीबों की उम्मीदों...

या किफायती इलाज उपलब्ध कराने की उम्मीदों पर पानी फिर रहा है। **289 पदों की थी जरूरत, 189 तक सीमित**- अस्पताल के संचालन के लिए डॉक्टरों और अन्य स्टाफ सहित 289 पदों की जरूरत थी। बाद में इसे घटाकर 189 पदों तक सीमित कर दिया गया। सिम्स प्रबंधन की मांग पर कैंसर अस्पताल के लिए 175 पदों के सेटअप को स्वीकृति दी गई है। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ तकनीकी कर्मचारी, रेडियोग्राफर, लैब टेक्नीशियन और अन्य स्टाफ शामिल होंगे। एक ओर सरकारी राशि से तैयार इन दोनों अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर इनके संचालन की जिम्मेदारी निजी हाथों में देने की तैयारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन अस्पतालों से बिलासपुर सहित पूरे अंचल के मरीजों को गंभीर बीमारियों का इलाज स्थानीय स्तर पर मिलने की उम्मीद है। ऐसे में इनके संचालन की व्यवस्था और मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं की दरें महत्वपूर्ण होंगी।

125 करोड़ तक...

सकेंगी। अस्पताल की शुरुआती लागत 115.20 करोड़ रुपए थी, जो बढ़कर करीब 125 करोड़ रुपए हो चुकी है। निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में 100 बिस्तरों का कैंसर वार्ड और 20 बिस्तरों का आईसीयू प्रस्तावित है। यहां कैंसर की पहचान और उपचार के लिए पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, बायोप्सी, इमेजिंग, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और कैंसर सर्जरी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। शुरुआती परियोजना में उपकरणों पर ही करीब 80.70 करोड़ रुपए खर्च किए जाने थे।अस्पताल शुरू होने के बाद संभाग के मरीजों को छोटी-बड़ी जांच और उपचार के लिए रायपुर या दूसरे बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बावजूद इसके संचालन को राज्य सरकार के बजाय निजी कंपनियों को देने की तैयारी हो रही है।

200 करोड़ से बना...

अत्याधुनिक एनएबीएल एक्रिडिटेड पैथोलॉजी लैब के साथ ब्लड सेंटर स्थापित किया गया है। वर्तमान में यहां दो न्यूरोसर्जन, दो यूरोसर्जन, एक कार्डियोलॉजिस्ट, एक न्यूरोलॉजिस्ट, तीन एनेस्थेटिस्ट, 20 रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ करीब 25 नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ काम कर रहे हैं। करीब 200 करोड़ रुपए की लागत से बने इस अस्पताल के लिए केंद्र सरकार ने 120 करोड़ और राज्य सरकार ने 80 करोड़ रुपए दिए हैं। राज्य सरकार ने ढाई एकड़ जमीन भी दी है।कोनी स्थित यह अस्पताल बिलासपुर ही नहीं, बल्कि पूरे अंचल के मरीजों के लिए उच्च स्तरीय हृदय, किडनी, न्यूरो और स्पाइन चिकित्सा का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। ओपीडी में प्रतिदिन हार्ट, किडनी, न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी से संबंधित 150 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। सिम्स या जिला अस्पताल से रेफर होकर आने वाले मरीजों को मात्र 10 रुपए के शुल्क में डॉक्टरों से इलाज मिल रहा है। हर महीने करीब 4,000 से 4,500 मरीज यहां इलाज करा रहे हैं। अस्पताल में नेशनल लेवल के स्पाइन फाउंडेशन द्वारा रीढ़ की हड्डी का सफल उपचार भी किया गया है। निजी अस्पतालों में न्यूरोसर्जन, यूरोसर्जन, कार्डियोलॉजिस्ट और न्यूरोलॉजिस्ट से उपचार कराने पर लाखों रुपए खर्च होते हैं। ऐसे में सरकारी अस्पताल में किफायती इलाज मरीजों के लिए बड़ी राहत है। इसके बावजूद इसके संचालन को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है।

एसआईआर में नाम...

में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त समेत दोनों निर्वाचन आयुक्तों की मंजूरी से जारी बयान में आयोग ने कहा कि संबंधित अधिकारी द्वारा जारी कार्य-पुनर्वितरण के आदेश दो निर्वाचन आयुक्तों के आदेश के बाद वास्तव में लागू नहीं किए गए थे। साथ ही, उप निर्वाचन आयुक्त (डीईसी) की ओर से आईटी प्रभाग की निगरानी भी कभी वापस नहीं ली गई थी।

अवैध गर्भपात मामले...

कटघोरा ने अस्पताल में अवैध गर्भपात संबंधी गतिविधियों की जांच के लिए पुलिस को पत्र दिया था। 7 अगस्त 2011 को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लाइफकेयर अस्पताल, दीपका का निरीक्षण किया, जहां ऑपरेशन थिएटर में आपत्तिजनक उपकरण तथा 16 से 32 सप्ताह की अलग-अलग उम्र के भ्रूण मिलने का उल्लेख निरीक्षण रिपोर्ट में किया गया। इसके आधार पर दीपका पुलिस ने अपराध दर्ज किया। 31 अगस्त 2016 को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कटघोरा ने आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके खिलाफ शासन ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

18 गवाहों से पूछताछ...

रोकने के उद्देश्य से बनाया गया है। हालांकि, कोर्ट ने पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट की धारा 22(3) के तहत आरोप साबित नहीं होने के कारण इस हिस्से में ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। एमटीपी एक्ट की धारा 5 और आईपीसी की धारा 315 के संबंध में हाईकोर्ट ने कहा कि, रिकॉर्ड में भ्रूण की मौजूदगी और उसकी उम्र से संबंधित तथ्य थे तथा आरोपी यह स्पष्ट नहीं कर सके कि गर्भपात मां की जान बचाने के लिए सद्भावना में किया गया था। कोर्ट ने इसी आधार पर इन दोनों धाराओं के तहत बरी किए जाने का फैसला निरस्त कर दिया।

पूरा न्याय मिलने...

लिए राहुल गांधी से मार्गदर्शन लिया गया। इस अवसर पर राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में झीरम शहीदों के परिजनों एवं घटना के समय मौजूद साथियों से संवाद कर उनकी पीड़ा और न्याय की अपेक्षाओं को सुना। राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा, पूरा न्याय मिलने तक हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। झीरम के शहीदों के सम्मान और न्याय की यह लड़ाई जारी रहेगी। जब तक झीरम के शहीदों और पीड़ित परिवारों को संपूर्ण न्याय नहीं मिलेगा, तब तक न्याय की यह लड़ाई जारी रहेगी।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर पर रहकर गाय की सेवा जतन चारा पानी साफ सफाई दूध दुहाई हेतु राउत या लड़के की। दूध दुहाई की मशीन भी है। सम्पर्क करें- गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 (41964)

आवश्यकता है- आरोग्य अमृततुल्य चाय की दुकान काउंटर संभालने, किचन कार्य हेतु ऊर्जावान, मेहनती लड़के की आवश्यकता है। पता- आरोग्य अमृततुल्य, श्रीबालाजी इलेक्ट्रॉनिक्स के पास, लवीना कोर्ट्स, मुंगेली नाका चौक, बिलासपुर, 7089572509 (1576)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 (41954)

आवश्यकता है- ड्राइवर, सेल्समैन, इलेक्ट्रीशियन, सुरक्षागार्ड, धोबी, कारपेंटर एवं लेबर ठेकेदार चाहिए वेतन योग्यतानुसार आधार फोटोकापी सहित मिलें- भारत टेन्ट हाऊस, होटल राज बिल्डिंग, शीतला माता मन्दिर के पास दयालबंद बिलासपुर, 9826681000, 7580987000 (41951)

आवश्यकता है- टैली ऑपरेटर एवं सिविल मैनेजमेंट हेतु योग्य उम्मीदवारों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता एवं अनुभव अनुसार। सम्पर्क करें- मूलचंद ट्रेडर्स, यूनियन बैंक के बाजू में, मंगला चौक, बिलासपुर 8599999176, 7666666649 (41962)

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मित्तल फर्नीचर, अमेरी चौक बिलासपुर 9826663999 (41965)

आवश्यकता है- बी.एस.सी.नर्सिंग स्टॉफ की आवश्यकता है पता भार्गव यूरोलॉजी सेंटर रिंगरोड नं. 2, मंगला चौक के पास, मिलने का समय 2 बजे से 5 बजे तक मो. 9407667780 (41963)

Required - Job Vacancy B.Tech Engineer Fresher (Mech & Elect.)- 2post each. Place of Posting- Manendragarh/ Chirimiri for SECL Area. Candidates pass out throughout English medium shall be given preference. Email your resume immediately at- chandan.mandal@indiconwestfalia.com or marketing@ indiconwestfalia.com (41957)

आवश्यकता है- कपूर चंद एंड सन्स, सदर बाजार, बिलासपुर में मेहनती, जिम्मेदार, लम्बे समय तक कार्य करने वाले लड़के की तत्काल आवश्यकता है। वेतन 10000 से शुरू, इंसेंटिव, बोनस। सम्पर्क करें- 9685005500 (41949)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़के की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री गोपाल मेडिकल स्टोर, सरकंडा बिलासपुर (41960)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल श्री व्हीकल शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव 6 पोस्ट युवक युवतियां टेक्नीशियन 6 पोस्ट चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मालवा टीवीएस मेन रोड व्यापार विहार बिलासपुर 8965022151, 9039011932 (41953)

आवश्यकता है- Online मेडिकल स्टोर हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए कार्य समय सुबह 10:30 से शाम 6:30 बजे, वेतन- 10000+ इंसेंटिव योग्यतानुसार इंटरव्यू सुबह 11 से 1बजे, दोपहर 3 से 6बजे सम्पर्क- 7049952000 (41798)

आवश्यकता है- Bengal Sweets में 25 से 45वर्ष, के अनुभवी पुरुष मैनेजर चाहिए। कार्य समय प्रातः 8:30 से रात्रि 10बजे (2.5 घंटे लंच ब्रेक मिलेगा) वेतन 10000 से 15000, सम्पर्क करें- 9343335328 (41946)

आवश्यकता है- टेन्ट हाउस में लोडिंग अनलोडिंग काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9827189233 (41937)

Requirment- ELECTRICIAN ITI/Diploma Electrician with 4-5 years' experience in Solar Plant & SCADA operation and troubleshooting required for Solar Plant at Sodh Berla, Chhattisgarh. Local candidates preferred. Contact: Bhawani Moulders Pvt. Ltd., Urla, Chhattisgarh - 8085379697 (214)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु महिला, पुरुष, हेल्पर (ब्राह्मण/ यादव) तथा स्कूल के कार्य हेतु टाइपिस्ट, प्यून, आया, गार्ड चाहिए। सम्पर्क करें- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 9109139971, 6260552527 (41947)

आवश्यकता है-UTN Shop में मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000 पता- शॉप नं.-16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806007192 (41926)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में टेली कॉलिंग एवं सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव (Female) की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 (41950)

आवश्यकता है- फार्म सुपरवाइजर की आवश्यकता है, drip system सब्जी फार्म के लिए सिमगा के पास जिसमें परिवार सहित आकर रह सके संपर्क - 9167339097 (215)

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग एवं रूम सर्विस के लिए लड़के/ लड़कियों की तुरन्त आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 10 बजे से 12 बजे तक हॉटल शिवनेरी आचार्य इंस्टीट्यूट के पीछे, लिंक रोड बिलासपुर (41945)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता (लडके व लडकियां) वेतन योग्यतानुसार, अरिहंत फैशन,जैन मंदिर के पास,सीपत चौक,सरकंडा, बिलासपुर 9691307110, 9993248836 (41936)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन अनुभवी एवं फ्रेशर लड़के चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (41934)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़की/ लड़का, टेलीकॉलिंग हेतु लड़की एवं मार्केटिंग हेतु लड़की/ लड़का की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. एनर्जी इंटरप्राइजेस वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9827475898, 8234078440 (41941)

आवश्यकता है- खेत में काम करने के लिए मेहनती ईमानदार ग्रामीण, आदिवासी एक परिवार की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, बिजली, पानी सहित रहने की सुविधा फ्री सम्पर्क करें- 917000311585, 9752777077, 7999043732 (41943)

आवश्यकता है- थोक दवाई एजेन्सी में कार्य करने हेतु मैनेजर, एकाउंटेंट, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है इच्छुक सम्पर्क करें- गायत्री मेडिकल एजेन्सी, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9937772764 (41952)

आवश्यकता है- डायग्नोस्टिक एवं सोनोग्राफी सेन्टर के लिए एक कम्प्यूटर टाइपिस्ट कम रेसेप्सनिस्ट, पैथोलॉजी लैब तकनीशियन की मंगला चौक स्थित सेन्टर में आवश्यकता है। अनुभवी एवं योग्य उम्मीदवार अपना बॉयोडाटा 9977833811 व्हाट्सएप नम्बर पर प्रेषित करें। (41911)

आवश्यकता है- मार्केटिंग करने हेतु सेल्स ऑफिसर की आवश्यकता है वेतन 10000 से 25000 उम्र 25वर्ष से ऊपर सम्पर्क- प्लस आटोमोबाइल शीतला माता मन्दिर के पास, शारदा मन्दिर के सामने, तारबाहर, बिलासपुर (41939)

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) दिन /रात पोस्ट-सफाई कर्मचारी, स्वीपर,बाई,वेटर, मैनेजर आकर्षक वेतन रहना खाना फ्री संपर्क -होटल अपना केशरी लॉज पावर हाऊस भिलाई मो. 98932-15251,89669-81590 (340)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है जिसे सभी प्रकार की गाड़ी चलानी आती हो। सम्पर्क करें 8839405065 (नया या फ्रेश लाइसेंस वाले सम्पर्क ना करें) (41948)

आवश्यकता है- ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 8000 कार्य समय 10 से 8, सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 8109167000 (41944)

बेचना है

बेचना है- प्राइम लोकेशन मेन रोड सिल्पहरी फ्लाइ ओवर के पास 300×280 मौके का शानदार प्लाट बेचना है इच्छुक खरीददार ही सम्पर्क करें- 7697110111 (41959)

बेचना है-बिलासपुर सकरी मेन रोड से ठीक पीछे आवासीय या व्यावसायिक उपयोग हेतु 22000 वर्गफुट हॉस्पिटल, अपार्टमेंट, फ्लैट, रेस्टोरेंट के लिए उपयोगी टुकड़ों में या एकमुश्त बेचना है सम्पर्क करें-7898855268 (41750)

बेचना है- 10×14 दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा में, 10x14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में। सम्पर्क- 9827938236, 8770963388 (41938)

बेचना है- तोरवा गुरुनानक चौक स्थित जे.जे. हॉस्पिटल के पास 1619 वर्गफुट में निर्मित 5 दुकानें एवं बसन्त विहार के पास 11×20 फर्स्ट फ्लोर पर ऑफिस अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9301186703 (41929)

किराया

किराया- ट्रैफिक थाने के पीछे वाली गली मसानगंज में हाल एवं कमरा अटैच्ड लैटबाथ, प्रथम तल में किराये पर देना है सम्पर्क करें- एडव्होकेट भारद्वाज 9425535921 7058635246 (41961)

किराया- कमरे का साइज 12.5×20 फीट द्वितीय तल में लिफ्ट के सामने डीएसएस काम्प्लेक्स मुंगेली नाका में स्थित दुकान/ आफिस हेतु किराए पर देना है सम्पर्क करें- 9617132163, 9179859182 (41935)

ज्योतिष

ज्योतिष- छत्तीसगढ़िया ज्योतिष, पितरदोष के कारण आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, सब्धी बुता मा अड़चन आये पितरदोष निवारण ले सब सुधर गहि 7691971007 (216)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म

एजेंसी ▶▶| नागोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

वह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के पेइयू फेंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में होसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

1951 में छोटा सिंह ने जीता था स्वर्ण

दिल्ली में 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सूरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया । अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

मेरा लक्ष्य पदक जीतना था : बरवाल

बरवाल ने रेस के बाद कहा,' मेरा लक्ष्य पदक जीतना था, अपना रिकॉर्ड बेहतर करना नहीं। लेकिन यह भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय बाद देश के लिए पदक जीत सका।' बरवाल आधी रेस पूरी होने तक दूसरे स्थान पर चले गए थे। उन्होंने कहा,' मेरा लक्ष्य 39.40 किलोमीटर तक पहले ग्रुप में रहना था। मैं पहले ग्रुप में रहा और आखिरी एक दो किलोमीटर में फिनिश करने का फैसला किया। आखिर में 38.37 किलोमीटर में तीन ही रनर थे। मैंने एक सी रफ्तार बनाये रखने की कोशिश की।'

महिला टीम को राइफल थ्री पोजिशंस में रजत

नागोया। भारत की तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विदर्सा 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई।

स्क्वाश : जोशना-सेंथिलकुमार ने जीता कांस्य

भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया तथा युवा सनसनी अनाहत सिंह ने जहां महिला एकल में जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं अभय सिंह भी पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहे। भारत की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। अनाहत ने यह मैच 9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3 से जीता और इस तरह से इसी साल के शुरू में जापानी खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुकता कर दिया।

अभय ने पाकिस्तान के इरफान को हराया

इसके बाद अभय ने पाकिस्तान के मोहम्मद इरफान को 3-0 (11-3 12-10 11-6) से हराकर पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया। अभय ने सेमीफाइनल में शानदार शुरुआत करते हुए पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली और 35 मिनट तक चले मैच में अपनी इस लय को बरकरार रखा। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पाकिस्तान के खिलाड़ी ने दूसरे गेम में उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वह 2-0 की बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे।

बैडमिंटन : क्वार्टर फाइनल में उन्नति, आयुष और लक्ष्य बाहर

युवा शटलर उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बेहतरीन जीत दर्ज कीं और महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जबकि लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी शनिवार को एशियाई खेलों से बाहर हो गए। उन्नति ने मलेशिया की लिंग चिंग वोंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इसके बाद हरियाणा की 19 वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वारदानी पर 21-19, 21-13 की शानदार जीत दर्ज की और जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला तय किया। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने जापान की मायु मात्सुमोतो और युकी फुकुशिमा की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी पर एक सप्ताह में 24-22, 21-18 से लगातार दूसरी जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया की टैन पर्ली और थिनाह मुरलीधरन से होगा।

क्वार्टर फाइनल में कपिल और प्रिया

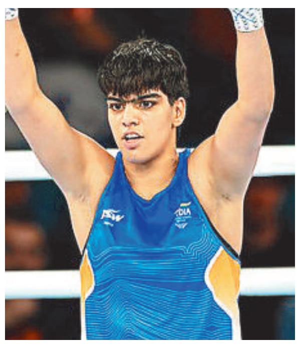

मुक्केबाज कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और प्रिया घंघास (60 किग्रा) ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन जादूमणि सिंह (55 किग्रा) का सफर समाप्त हो गया। उत्तराखंड के कपिल ने ईरान के सैम एस्ताकी पर 5-0 की जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। प्रिया ने कोरियाई ओह यिओंजी पर सर्वसम्मत 5-0 की जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। जादूमणि पुरुषों के 55 किलो वर्ग में फिलीपींस के तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-3 से हार गए। पोखरिया ने शुरू ही से दबाव बनाकर पहले दौर में 4-1 की बढत बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के एस्ताकी को खुलकर खेलने नहीं दिया। दूसरे दौर में जजों का फैसला सर्वसम्मति से उनके पक्ष में 5-0 रहा। अंतिम राउंड में एस्ताकी कोई चुनौती पेश नहीं कर सके क्योंकि पोखरिया ने संयम बनाए रखते हुए आराम से जीत दर्ज की।

गुमशुदगी सूचना

नाम–कु. आकांक्षा गायकवाड़ पिता का नाम स्वर्गीय रामायण गायकवाड़ निवासी ग्राम नरगोड़ा, कु. आकांक्षा गायकवाड़ दिनांक 22.09.2026 (मंगलवार) को सुबह लगभग 8:00 बजे अपने घर से निकली है और अभी तक वापस घर नहीं लौटी है। पहचान–आकांक्षा गायकवाड दोनों पैरो से 100% दिव्यांग हैं। उन्होने सफेद टी–शर्ट एवं मेहरून रंग की लेगिंग पहन रखी है। निवेदन जिस किसी भी सज्जन को कु. आकांक्षा गायकवाड के संबंध में कोई जानकारी मिले, कृपया नीचे दिए गए मोबाइल नंबरों पर तत्काल संपर्क करें। संपर्क नंबर **8839036696, 7747950700** कृपया इस सूचना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में सहयोग करें। जानकारी देने वाले को उचित ईनाम दिया जायेगा।

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

होंडा अधिकृत विक्रेता एवं ब्रांच : बिलासपुर: ड्रीम होंडा– 07752 –409057, उसलापुर: ड्रीम होंडा– 9516661444, बिलासपुर: सरकंडा, मौसाजी होंडा–7024149881, 07752–412121, जगमल चौक: मौसाजी होंडा– 07752 –417070, 9109690484, अम्बिकापुर : महामाया होंडा– 7489027000, जसवानी होंडा– 8358065000, बैकुंठपुर: प्रमिला होंडा– 7000405012, जांजगीर–चांपा: गट्टानी होंडा – 7694011205,7694011206, कोरबा: विशाल होंडा– 94790–25937, 99939–98122, कृष्णा होंडा– 6232103020, जशपुर : देवनारायण होंडा – 9425251702, रायगढ़: शारदा होंडा – 9300473589, शांति ऑटो होंडा – 9343609281, मुंगेली: मानसी होंडा – 9131402454, 8649933333

For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com Embassy

सपनों जैसा देश, लग्जरी कारें, महल जैसे घर, हर इंसान की दो करोड़ सालाना कमाई... इस देश का हर व्यक्ति अमीर!

सोचिए आप किसी ऐसी जगह पर पहुंच जाएं, जहां पर सिर्फ लम्बोर्गिनी, रॉल्स रॉयस, डिफेंडर जैसी कारें नजर आएं। घर ऐसा हो, जैसे किसी राजा का पैलेस या विला हो। पानी में उतरो तो सिर्फ लग्जरी शिप ही दिखें... तो आपको भी यह कोई सपने जैसा ही लगेगा, लेकिन यह हकीकत है। भूमध्य सागर में इटली और फ्रांस के बीच बसे मोनाको नामक इस देश की एक और खास बात है कि यहां पर किसी भी नागरिक को इनकम टैक्स नहीं देना होता है।

हर व्यक्ति की सालाना 2 करोड़ की इनकम

यूरोपीय महाद्वीप में स्थित यह एक छोटा सा देश है, जिसकी आबादी करीब 40 हजार है और क्षेत्रफल 1.95 वर्ग किलोमीटर है। इस छोटे से देश के हर तीसरे व्यक्ति की नेटवर्थ 10 लाख डॉलर यानी 8,34,59,100 रुपये से अधिक है। यहां के प्रत्येक नागरिक की औसत सालाना कमाई 2 करोड़ रुपये मानी जाती है।

बड़े-बड़े दिग्गज इस देश के निवासी

अपने खूबसूरत नजारों और कैसिनो के लिए दुनियाभर में मशहूर मोनाको को फॉर्मूला वन रेसर लुई हेमिल्टन, टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और ब्रिटिश रिटेल टाइकून सर फिलिप ग्रीन समेत कई मशहूर हस्तियों ने अपना ठिकाना बनाया है। यहां की अर्थव्यवस्था ज्यादातर टूरिज्म पर निर्भर है।

अमीरों की राजधानी कहलाता है ये देश

इस देश को 'अमीरों की राजधानी' भी कहते हैं, क्योंकि यहां आबादी के हिसाब से दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर रहते हैं। मोनाको में दश सिटी हैं, जनिमें से सिर्फ 1 शहर में 5000 से ज्यादा अमीर लोग रहते हैं। यहां की 40 हजार अबादी में से केवल 10 शहर के लोग ही मोनाको के मूल निवासी माने जाते हैं, बाकी दूसरे देशों से आकर बसे अमीर लोग हैं।

लोगों को क्यों पसंद आता है ये देश

यह देश लोगों को कमाई और रहने के लिए लिहाज से ज्यादा पसंद आता है, क्योंकि यहां के लोगों को इनकम टैक्स नहीं देने होते हैं और कंपनियों पर भी टैक्स दूसरे देशों के मुकाबले कम भुगतान करना होता है। मोनाको के रियल एस्टेट बाजार को दुनिया के सबसे महंगे बाजारों में शुमार किया गया है।

यहां सच में होती है हीरों की बारिश आसमां से गिरते हैं लाखों हीरे

नई दिल्ली। अगर कोई कहे कि किसी ग्रह पर बारिश में पानी नहीं बल्कि हीरे गिरते हैं, अनगिनत हीरे, तो क्या आपको इस बात पर यकीन होगा? लेकिन ये बात बिल्कुल सच है। हीरों की बारिश वास्तव में होती है। आइए, जानते हैं कि हीरों की बारिश कहां होती है और कब होती है।

कहां होती है हीरों की बारिश : यूरेनस और नेपच्यून को आइस जायंट कहा जाता है। इन ग्रहों के वायुमंडल में मीथेन की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रहों के भीतर गहराई में दबाव लाखों गुना अधिक और तापमान हजारों डिग्री तक पहुंच जाता है। इन परिस्थितियों में मीथेन के अणु टूट जाते हैं और उनमें मौजूद कार्बन अलग होकर अत्यधिक दबाव में हीरे के क्रिस्टल में बदल जाता है। ये हीरे ग्रह के भीतर नीचे की ओर गिरते हैं, जिसे डायमंड रेन कहा जाता है।

वैज्ञानिकों ने कैसे किया इसका परीक्षण?

शोधकर्ताओं ने हमारी पृथ्वी पर ही लेजर की मदद से यूरेनस और नेपच्यून जैसी परिस्थितियां तैयार कीं। प्रयोग में प्लास्टिक (जिसमें कार्बन और हाइड्रोजन होते हैं) को अत्यधिक दबाव और तापमान में रखा गया, जिससे सूक्ष्म (नैनो) हीरों का निर्माण हुआ। इस प्रयोग ने इस सिद्धांत को मजबूत किया कि इन ग्रहों के भीतर वास्तव में हीरे बन सकते हैं।

लंच ब्रेक में महिला की बदली किस्मत, 20 मिनट में 19 करोड़ की बन गई मालकिन

नई दिल्ली। कब किसकी किस्मत पलट जाए, यह कोई नहीं जानता है। ऐसा ही कुछ एक महिला के साथ हुआ है। सिर्फ लंच ब्रेक पर बाहर जाने से महिला की पूरी जिंदगी बदल गई। ऑफिस के तनाव से ब्रेक पर गई अमेरिकी महिला करीब 19 करोड़ रुपये से अधिक (2 मिलियन डॉलर) की मालकिन बनकर लौटी। बड़ी बात रही है कि महिला इतना कुछ हासिल करने के बाद भी चुपचाप लंच खत्म करके वापस ऑफिस में काम पर लग गई, जैसे कुछ हुआ ही नहीं हो। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका में वर्जीनिया की रहने वाली महिला ऑफिस में काफी परेशान थी. जिसके बाद उसने लंच के टाइम बाहर जाकर कुछ खाने को सोचा। ऑफिस से बाहर निकलकर महिला एक दुकान पर गई और लॉटरी में किस्मत आजमाने लगी। महिला ने 'लव फ़ूड मार्ट' पर जाकर 20 डॉलर का प्लैटिनम 7s स्क्रैच-ऑफ़ टिकट खरीदा। जब उसने कार्ड को स्क्रैच किया तो पता चला कि उसने सबसे बड़ा जैकपॉट जीत लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com